शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
विकसित भारत समाचार
वर्ष : 12 | अंक : 207 | गुवाहाटी | सोमवार, 2 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुख्यमंत्री विकास का पिटारा खेलेंगे 29 मार्च धन्यवाद रैली में : डॉ. अरविंद शर्मा — पेज 2
असम विस चुनाव 2026 : दिसपुर विस क्षेत्र में कौन लहराएगा परचम — पेज 3
मुख्यमंत्री विकास का पिटारा खेलेंगे 29 मार्च धन्यवाद रैली में : डॉ. अरविंद शर्मा — पेज 5
टी-20 विश्वकप से बाहर होने के बाद सनथ जयसूर्या ने श्रीलंका के मुख्य कोच... — पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दण्डनीति से आत्मरक्षा की जा सकती है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

पीएम की कोकराझाड़ यात्रा : मंत्री जयंत ने तैयारी की समीक्षा की

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मार्च को कोकराझाड़ का दौरा करने वाले हैं, जहां वे कई आगामी विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इस दौरे को देखते हुए असम के कैबिनेट मंत्री जयंता मल्ल बरुआ ने रविवार, 1 मार्च को कोकराझाड़ के ग्रीन फील्ड मैदान में तैयारियों की समीक्षा की। बरुआ ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 1 से 2 लाख लोगों के -शेष पृष्ठ दो पर

खामेनेई के मारे जाने पर शिया समुदाय ने देश भर में किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (हि.स.)। ईरान के सर्वोच्च नेता सैयद अली खामेनेई के अमेरिका और इजरायली हमले में मारे जाने पर देशभर के शिया समुदाय में काफी गुस्सा और गम देखा जा रहा है। देश के शिया बहुल क्षेत्रों कारगिल, लद्दाख, लखनऊ, बिजनौर आदि में इस घटना का विरोध करने के लिए शिया मुसलमान सड़कों पर उतरे और राजधानी दिल्ली में भी प्रदर्शन किया। जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत

तेहरान/तेल अवीव/वाशिंगटन (हि.स.)। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हवाई हमले में इस्लामिक क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्य मारे गए। ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने रविवार सुबह कहा कि इस हमले में खामेनेई की शहादत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि जब तक ईरान में शांति स्थापित नहीं हो जाती, तब हमला जारी रहेगा। अमेरिकी चैनल सीएनएन, द टाइम्स ऑफ इजराइल, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना की रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के कई मीडिया समूहों ने भी खामेनेई की मौत की पुष्टि की है। इनमें सबसे बड़ी स्वीकारोक्ति सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी की है। आईआरआईबी ने रविवार सुबह बताया कि ईरान के *सुप्रीम लीडर शहीद हो गए हैं।* खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने भी इजराइल पर हमले किए हैं। तेल अवीव में ईरान के हमले में एक महिला की मौत हो गई। इजराइल ने कहा कि अमेरिका के साथ संयुक्त सैन्य अभियान के शुरुआती हमलों में लक्षित किए गए 30 प्रमुख नेताओं में से कई मारे गए। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई तब तक चलेगी जब तक ईरान के लोग आजाद नहीं हो जाते। इस बीच इजराइल का एयरस्पेस बंद कर दिया गया है। सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार रात ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत का ऐलान किया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक खामेनेई मर गया है। ट्रंप के इस बयान से कुछ घंटे पहले ही इजराइली और अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि हमले में खामेनेई मारे गए हैं। इजराइल के चैनल 12 ने बताया कि तेहरान में कंपाउंड से खामेनेई का शव मिलने के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को उसकी तस्वीर दिखाई गई। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि हमले में खामेनेई की बेटी, पोता, बहू और दामाद भी मारे गए हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने हमले में मारे गए ईरान के सैन्य अधिकारियों की पहचान उजागर की है। इनमें सर्वोच्च सैन्य अधिकारी अली शमखानी और आईआरजीसी के कमांडर मोहम्मद पाकपुर प्रमुख हैं। आईडीएफ ने कहा कि हमले में ईरान के मिलिट्री इमरजेंसी हेडक्वार्टर में इंटेलिजेंस के चीफ सलाह असदी और प्रमुख सैन्य अफसर मोहम्मद शिराजी भी मारे गए हैं। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने इस बीच संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव और और संयुक्त राष्ट्रसंघ सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को पत्र लिखकर इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमले से अवगत कराया है। अराघची ने कहा कि इस हमले के जवाब में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान यूनाइटेड नेशंस के चार्टर के आर्टिकल 51 के तहत सेल्फ-डिफेंस के अपने अंदरूनी और कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर रहा है। इस हमले में दक्षिण ईरान में कम से कम 85 छात्राएं मारी गई हैं। यह सब -शेष पृष्ठ दो पर

बदला : ईरान ने अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन पर दागे बैलिस्टिक मिसाइलें

तेहरान। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने रविवार को कहा कि उन्होंने देश के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत के बदले में खाड़ी में एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन को निशाना बनाया। एएफपी ने गार्ड्स के एक बयान के हवाले से कहा कि यूएस एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन पर चार बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि समुद्र और जमीन और तेजी से आतंकवादी हमलावरों की कब्रगाह बनते जाएंगे। जनवरी में, एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन और तीन गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर नौसेना की टुकड़ी को मजबूत करने के -शेष पृष्ठ दो पर

खामेनेई की मौत पर भड़के चीन और रूस

नई दिल्ली। यूएस-इजरायल के साझा हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर रूस और चीन दोनों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मॉस्को और बीजिंग के नेताओं ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है और मिलिट्री ऑपरेशन तुरंत रोकने की अपील की है। 86 साल के खामेनेई ईरानी मिलिट्री और सरकारी जगहों पर एक बड़े हवाई हमले में मारे गए। उनकी मौत ने इस इलाके में नई अस्थिरता पैदा कर दी है। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान के अंतरिम सर्वोच्च नेता बने अयातुल्ला अराफी

तेहरान (हि.स.)। अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद सीनियर मौलवी अयातुल्ला अलीरेजा अराफी ईरान के अंतरिम सर्वोच्च नेता के तौर पर काम करेंगे। सरकार से जुड़ी ईरानी छात्र समाचार एजेंसी (आईएसएनए) के अनुसार खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने अपने संविधान के आर्टिकल 111 को लागू कर दिया था, जिससे एक आपातकालीन नेतृत्व व्यवस्था शुरू हो गया था। तीन सदस्यों वाली काउंसिल सर्वोच्च -शेष पृष्ठ दो पर

मिडल ईस्ट में महायुद्ध के बीच पीएम मोदी की दिल्ली में सीसीएस बैठक

नई दिल्ली। भारत सरकार के सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे के समापन के बाद रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उनके रात करीब 9:30 बजे दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। यह बैठक ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच हो रही है। इजरायल और अमेरिका ने ऑपरेशन रोरिंग लायन/ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत ईरान के कई शहरों में समन्वित हवाई हमले किए, जिनमें ईरानी सैन्य कमान केंद्रों, वायु रक्षा प्रणालियों, मिसाइल ठिकानों और प्रमुख शासनगत बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। इन हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई और चार वरिष्ठ सैन्य एवं सुरक्षा अधिकारियों की मौत हो गई। तेहरान और अन्य प्रमुख शहरों में बड़े विस्फोटों की खबरें आईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ये -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य की सड़कों पर आधी रात तक उमड़ा हुजूम, सीएम हिमंत बोले-

इस बार मिलेगा और मजबूत जनादेश

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जन आशीर्वाद यात्रा के दूसरे दिन जनता के *पूर्ण समर्थन* के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के लोग पिछले पांच वर्षों में भूमि अधिकार और रोजगार प्रदान करने के लिए खुले तौर पर उनका आभार व्यक्त कर रहे हैं। शर्मा ने मीडियाकर्मियों से कहा कि मैं असम के लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। कल रात यह यात्रा 12:30 बजे तक चली और हर जगह लोग मौजूद थे। जनता ने अपना पूर्ण समर्थन दिया। असम के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हम एक मजबूत संदेश देना चाहते हैं कि हम सभी अवैध अतिक्रमणकारियों को बेदखल करेंगे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि लोग इतनी बड़ी संख्या में बाहर आएंगे। लोग पिछले पांच वर्षों में हमारे द्वारा किए गए कार्यों को स्वीकार कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि लोग इस बार हमें मजबूत जनादेश देंगे। बहुत से लोग मुझसे मिलते हैं और कहते हैं कि उन्हें नौकरी या जमीन मिली है या अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए मेरा आभार व्यक्त करते हैं। लोग हमारा समर्थन कर रहे हैं। शनिवार को शर्मा ने शोणितपुर जिले के -शेष पृष्ठ दो पर

एमईए के संपर्क में है असम सरकार

पश्चिम एशिया में रहने वालों का अभी तक कोई डेटा नहीं है : अधिकारी

गुवाहाटी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि असम सरकार, पश्चिम एशिया में रह रहे या फंसे हुए राज्य के निवासियों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) के साथ समन्वय कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के पास फिलहाल संघर्षग्रस्त क्षेत्र में रहने वाले असम के लोगों की संख्या के बारे में आंकड़े नहीं हैं। नाम न छापने की शर्त पर वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम विदेश मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में हैं और पश्चिम -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी की तमिलनाडु से डीएमके को सीधी चुनौती, कहा-

एनडीए की सरकार बनेगी आपका सपना टूटेगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता में वापसी का पार्टी का सपना *दु:स्वप्न* में बदल जाएगा और एनडीए राज्य में सरकार बनाएगा। एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन की जीत पर विश्वास जताते हुए पीएम मोदी ने आगामी विधानसभा चुनावों को राज्य के लिए महत्वपूर्ण मोड़ बताया। मदुरै में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने डीएमके पर भ्रष्टाचार और शहर में खराब अपशिष्ट प्रबंधन का आरोप लगाया, जिसके कारण स्वच्छता के मामले में मदुरै की राष्ट्रीय रैंकिंग काफी नीचे है। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोग तमिलनाडु में सत्ता में वापसी का सपना देख रहे हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

पंजाब में धर्म परिवर्तन पर अमित शाह ने जताई चिंता

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नवी मुंबई के खारघर में आयोजित *हिंद-दी-चादर* कार्यक्रम में शिरकत की। यह कार्यक्रम गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ के मौके पर रखा गया था। इस दौरान अमित शाह ने पंजाब में हो रहे धर्म परिवर्तन पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने भगवंत मान सरकार और पंजाब के आम लोगों से अपील की कि वे लालच से प्रेरित इस प्रथा को तुरंत रोकें। शाह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने दूसरों के धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था। उन्होंने बहुत अत्याचार सहे लेकिन कभी झुके -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच दुबई एयरपोर्ट पर फंसी पीवी सिंधु

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के कारण दुबई एयरपोर्ट पर फंस गई हैं। हालांकि, सिंधु ने सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों को जानकारी दी है कि वह और उनकी टीम पूरी तरह सुरक्षित हैं। एक्स पर पीवी सिंधु ने लिखा कि अभी जो कुछ भी हो रहा है, उसे समझना मुश्किल है। ऊपर हो रहे इंटरसेप्शन की आवाजें सुनना और हालात को इतनी तेजी से बिगड़ते देखना वाकई डरावना है। कई परेशान करने वाले वीडियो सामने आ रहे हैं, और दुख की बात है कि यही वास्तविकता है। दुबई एक ऐसा शहर है जिसे मैं बहुत प्यार करती हूं और यह हमेशा सुरक्षित महसूस होता था, -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल एसआईआर : भारतीय महिला विश्वकप विजेता टीम की खिलाड़ी ऋचा घोष वोटर लिस्ट में संदिग्ध

कोलकाता। भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी ऋचा घोष ने वर्ल्ड कप जीतकर देश का नाम रोशन किया, बंगाल का नाम रोशन किया। लेकिन वो ऋचा घोष एसआईआर एग्जाम पास नहीं कर पाईं? ऋचा घोष का नाम फाइनल लिस्ट में अप्रूव्ड लिस्ट में नहीं है। उनका नाम अंडर एडजुडिकेशन (संदिग्ध) लिस्ट में रखा गया है। इससे यह सवाल उठने लगा है कि देश के लिए खेलने वाली, इंडिया के लिए वर्ल्ड कप खेलने वाली, देश के लिए कप जीतने वाली क्रिकेटर ऋचा घोष का नाम अनसेटल्ड लिस्ट में कैसे हो सकता है? ऋचा घोष सिलीगुड़ी के कॉलेजपाड़ा के वार्ड नंबर 30 की रहने वाली हैं। वो हमेशा से उसी वार्ड में रहती रही हैं। ऋचा घोष इस समय घर पर नहीं हैं। वो गेम में बिजी हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा ओडीआई मैच खेला। ऋचा ने मैच में अहम रोल निभाया था। लेकिन, जैसे ही फाइनल एसआईआर लिस्ट पब्लिक हुई, -शेष पृष्ठ दो पर

नागपुर फैक्ट्री विस्फोट में 17 लोगों की मौत 18 घायल, सीएम ने की आर्थिक मदद की घोषणा

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार सुबह विस्फोटक निर्माण फैक्ट्री *एसबीएल एनर्जी लिमिटेड* में हुए धमाके में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 18 अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को तत्काल नागपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार सुबह करीब 7:15 बजे फैक्ट्री की डेटोनेटर पैकिंग यूनिट में अचानक तेज धमाका हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि यूनिट में तुरंत भीषण आग लग गई और आसपास के क्षेत्रों में दहशत फैल गई। धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। इसके साथ ही राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को भी राहत एवं -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

संजू सैमसन की आतिशी पारी, सेमीफाइल में भारत

कोलकाता। टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 के आखिरी मुकाबले में आज भारतीय टीम का सामना वेस्टइंडीज से हो रहा है। यह मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स पर खेले मुकाबले में वेस्टइंडीज ने भारत के सामने जीत के लिए 196 रन का लक्ष्य रखा था। इस लक्ष्य का पीछा करने संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी क्रीज पर उतरी। जोड़ी ने तेज तर्रार शुरुआत की मगर वो ज्यादा जम नहीं पाई। अभिषेक शर्मा 10 रन बनाकर आउट हो गए। अभिषेक के बाद आए ईशान रिशन का बल्ला भी ज्यादा नहीं बरस सका। वो भी सिर्फ 10 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, एक छोर से गिरे विकेटों के बीच दूसरे छोर पर खड़े संजू सैमसन अपने इरादे को अच्छे से अमलीजामा पहनाने में लगे थे। संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तब तक बल्लेबाजी की, जब तक इंडिया मैच नहीं जीत गई। वो ओपनिंग में उतरे और मैच फीनिश करके गए। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 2 विकेट खोकर 195 रन बनाए। रोस्टन चेज ने 40 रन बनाए। कप्तान शाई होप ने 32 रन की पारी खेली। रोवमैन पॉवेल 34 और जेसन होल्डर 37 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज टीम ने अपनी प्लेइंग 11 में एक बदलाव किया था। अकीला हुसैन ने ब्रैंडन किंग की जगह ली थी। भारत और वेस्टइंडीज के लिए यह मुकाबला करो या मरो वाला था। जो टीम इस मैच को जीतेगी वह सेमीफाइनल का टिकट कटा लेगी।

बजाली के प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र में भीषण आगजनी

बजाली (हिंस)। बजाली जिले के ओकया प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र में शनिवार रात भीषण आग लगने की घटना सामने आई। इस अग्निकांड में स्वास्थ्य केंद्र के कई आवासीय भवन पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि आग की शुरुआत पास में रखे सूखे घास के ढेर से हुई हो सकती है। सूचना मिलते ही अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में सफल रहा। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

तपन गोगोई को सीएम ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। हिमंत विश्व शर्मा ने भाजपा असम प्रदेश के उपाध्यक्ष एवं असम इंड्स्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष तपन कुमार गोगोई को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि गोगोई राज्य के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच 900 उड़ानें रद, फंसे यात्री, भारत ने चीन से मांगी मदद

नई दिल्ली/मुंबई। ईरान-इजराइल में संघर्ष के बीच मिडिल ईस्ट में हमले की वजह से कई बड़े एयरस्पेस बंद हो गए। इस वजह से दुनिया का सबसे व्यस्त ईस्ट-वेस्ट फ्लाइट कॉरिडोर ठप हो गया। दुबई में हवाई सेवाएं सस्पेंड कर दी गईं, जिससे सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गईं और भारतीय एयरलाइंस को इस क्षेत्र में ऑपरेशन रोकने पर मजबूर होना पड़ा क्योंकि रेगुलेटर्स ने सिविल एविएशन के लिए गंभीर खतरों की चेतावनी दी थी। यूएई से इजराइल तक के एयरस्पेस बंद कर दिए गए, जिससे भारत और पश्चिम के बीच वन-स्टॉप ट्रैफिक वाले हब बंद हो गए। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 2 मार्च तक इस क्षेत्र के लिए सभी उड़ानें रद कर दीं। शेड्यूल बिगड़ने से दुबई सहित एयरपोर्ट पर हजारों यात्री फंसे रहे। सीरियम के डेटा से पता चला कि शनिवार को मिडिल ईस्ट एयरलाइन की करीब 900 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिनमें एमिरेट्स ग्रुप, कतर एयरवेज और एतिहाद शामिल थे। भारतीय एयरलाइन कंपनियों के विमान और क्रू पूरे क्षेत्र में फंस गए। एयर इंडिया ने तेल अवीव से स्टाफ को निकालने का काम किया। अबू धाबी में भारतीय दूतावास ने कहा कि वह यूएई के एयरपोर्ट पर फंसे भारतीय यात्रियों की देखभाल के लिए यूएई अधिकारियों और एयरलाइंस के संपर्क में है। इसका असर भारत के गेटवे पर भी पड़ा। शनिवार रात 9.30 बजे तक मुंबई एयरपोर्ट पर 98 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं और 5 को डायवर्ट कर दिया गया। इन उड़ानों में इंडिगो की मुंबई-लंदन सर्विस भी शामिल थी। फ्लाइट्स रद होने से 1 मार्च की यात्रा के लिए लंदन का एक तरफा डायरेक्ट टिकट 1.4 लाख रुपए तक पहुंच गया। पूरे दिन एयरलाइन सस्पेंशन बढ़ता गया। एयर इंडिया ने रविवार को होने वाली कई लंबी दूरी की फ्लाइट्स कैंसिल कर दीं, जिनमें दिल्ली-मुंबई और अमृतसर से लंदन, न्यूयॉर्क, नेवार्क, शिकागो, टोरंटो, फ्रैंकफर्ट और पेरिस की सर्विस शामिल हैं। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को जानकारी दी जा रही है और उन्हें यात्रा के दूसरे ऑप्शन दिए जा रहे हैं। इंडिगो ने कहा कि पश्चिम एशिया और कुछ इंटरनेशनल सेक्टर से आने-जाने वाली फ्लाइट्स 1 मार्च तक सस्पेंड कर दी गई हैं। एमिरेट्स ने कहा कि उसने दुबई से आने-जाने वाले ऑपरेशन कुछ समय के लिए सस्पेंड कर दिए हैं। एयरलाइंस ने पायलटों को कॉन्फ्लिक्ट जोन के पास जीपीएस स्पूफिंग और जैमिंग बढ़ने की चेतावनी दी।

पूसीरे जोन में रायगंज सहित 14 रेल कोच रेस्टोरेंट संचालित

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) अपने नवाचार पहल रेल कोच रेस्टोरेंट को पूरे जोन में लगातार सुदृढ़ कर रहा है। इस पहल के अंतर्गत वर्तमान में प्रमुख स्थानों पर 14 थीम आधारित रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं। ये विशिष्ट आहार सुविधाएं कटिहार और जोगबनी, रायगंज, दार्जिलिंग, मालदा कोर्ट, न्यू कोचबिहार, राजा भात खावा, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी रोड और न्यू माल के साथ-साथ गुवाहाटी, उजानबाजार, कोकराझाड़ और न्यू तिनसुकिया में यात्रियों को प्रदान कर रही हैं। इन रेस्टोरेंट्स की बढ़ती लोकप्रियता यात्री सुविधाओं को रचनात्मक एवं सतत पहलों के माध्यम से सुदृढ़ करने के प्रति पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने रविवार को बताया कि इस अवधारणा को और आगे बढ़ाते हुए पूसीरे ने कटिहार मंडल के अंतर्गत रायगंज रेलवे स्टेशन पर 5 वर्ष की अवधि के लिए रेल कोच रेस्टोरेंट के संचालन का अनुबंध प्रदान किया है। यह रेलवे के लिए सतत गैर-किराया राजस्व सृजन को बढ़ावा देने के साथ-साथ यात्री सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और प्रगतिशील कदम है। रायगंज स्थित यह रेल कोच रेस्टोरेंट एक विशिष्ट रेलवे-थीम आधारित भोजन स्थल के रूप में परिकल्पित किया गया है, जिसे एक नवीनीकृत रेलवे कोच से विकसित किया गया। यह रेस्टोरेंट रेलवे की पुरानी आकर्षक स्मृतियों को आधुनिक आतिथ्य मानकों के साथ समन्वित करता है।

ईरान पर अटैक के बीच अमेरिकी सेना ने मार गिराए कई पाकिस्तानी

वाशिंगटन। इजराइल और ईरान के बीच भीषण युद्ध भड़क गया है। इजराइल अमेरिका ने मिलकर ईरान की राजधानी तैरान समेत कई बड़े शहरों को निशाना बनाते हुए भयंकर तबाही मचा दी है। अब तक ईरान के सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ इतना खतरनाक ऑपरेशन चलाया है कि एक बेटे को छोड़कर सुप्रीम लीडर अली खामनई समेत उनका पूरा परिवार मारा गया है। हमले में उनकी बेटी, दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए। हमले के समय खामेनई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे। इजराइल की वायु सेना ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के साथ संयुक्त हमले में पिछले एक दिन में ईरान पर 1200 से ज्यादा बम बरसाए हैं। तो वहीं खामिनी की मौत के बाद पाकिस्तान में भयंकर बवाल शुरू हो गया है। पाकिस्तान के कराची में हिंसक प्रदर्शन भड़क उठे हैं। भीड़ ने अमेरिकी दूतावास को घेरते हुए आगजनी और तोड़फोड़ की है। इस दौरान लोगों ने अमेरिका मुर्दाबाद से लेकर इजराइल मुर्दाबाद और ईरान जिंदाबाद के नारे लगाए। हालात बिगड़ते देखकर यूएस कंसुलेट में तैनात अमेरिकी जवानों ने भीड़ पर गोलियां चला दी। जिसमें 10 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है और कई लोग घायल हुए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने भी पहले बाहरी आंसू गैस के गोले छोड़े और फिर सीधी फायरिंग शुरू कर दी। ईरान पर हमले की आग अब पाकिस्तान में पहुंच गई है। गुस्से में आई भीड़ सड़कों पर उतर आई है। भीड़ ने इजराइली नहीं बल्कि अमेरिका के खिलाफ भी हल्ला बोल दिया है और इसकी शुरुआत कराची से शुरू हुई है जो धीरे-धीरे पाकिस्तान के कई शहरों तक पहुंच गई है। दरअसल पाकिस्तान ने अमेरिका इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों को अनुचित और अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया है। उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ईशाक डार ने ईरानी विदेश मंत्री से बात कर हमलों की निंदा की और तुरंत डीएक्सिलेशन की मांग की। पाकिस्तान ने ईरानियों से गैर जरूरी यात्रा टालने की सलाह भी जारी की है। हालांकि पाकिस्तान ने सीधे युद्ध में कूदने या सैन्य हस्तक्षेप की कोई घोषणा नहीं की है बल्कि कूटनीतिक भूमिका पर जोर दिया है। उधर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बात की और ईरान पर हुए हमलों की निंदा की है। तो व ईरानी सेना ने कहा है कि वो सबसे खतरनाक अभियान की शुरुआत करने जा रही है।

पृष्ठ एक का शेष

अमेरिका-इजराइल के ...

होर्मोजगन प्रांत के मिनाब में एक स्कूल में पढ़ती थीं। मिनाब के प्रांतीय गवर्नर मोहम्मद रादमेहर ने पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि कम से कम 53 छात्राएं मलबे में दबी हैं। बताया जा रहा है कि ईरानी आर्म्ड फोर्सेज ने बड़े पैमाने पर जवाबी हमले किए हैं। इजराइल के कब्जे वाले इलाकों और पूरे इलाके में अमेरिकी मिलिट्री बेस को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया। स्कूली छात्राओं के मारे जाने पर न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनीने कहा कि ईरानी आर्म्ड फोर्सेज इन हत्याओं का बदला जरूर लेंगी।

बदला : ईरान ने अमेरिकी ...

लिए पहुंचे थे। बाद में उनके साथ यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड दुनिया का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर और चार और डिस्ट्रॉयर शामिल हुए, जिन्हें कैरिबियन से मिडिल ईस्ट की ओर भेजा गया था और जो अभी मेडिटेरेनियन में तैनात हैं। कुल मिलाकर, इस बढ़ी हुई तैनाती से इस इलाके में 10,000 से ज्यादा और अमेरिकी सैनिक आ गए हैं। अमेरिका और इजराइल के एक बड़े संयुक्त हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई मारे गए, जिससे पूरे इलाके में जवाबी हमले शुरू हो गए और दुनिया भर में सदमे की लहर दौड़ गई। रविवार को तनाव और बढ़ गया जब इजराइल ने तेहरान पर बड़ा हमला किया, जबकि ईरान ने ड्रोन और मिसाइलों से जवाब दिया और इजराइल, खाड़ी के आसपास अमेरिकी मिलिट्री बेस और यहाँ तक कि दुबई के कमर्शियल हब को भी निशाना बनाया। इस बीच, पाकिस्तान में, अमेरिकी कॉन्सुलेट पर प्रदर्शनकारियों के धावा बोलने के बाद हुई अशांति में कम से कम 10 लोगों के मारे जाने की खबर है। शनिवार को शुरू हुए इन हमलों से एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का डर पैदा हो गया, जिसके ग्लोबल मार्केट और एनर्जी सप्लाई पर असर पड़ सकता है। ऑपरेशन की घोषणा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानियों से इस मौके का फायदा उठाने और *कब्जा करने* की अपील की, और हमले को राजनीतिक बदलाव का मौका बताया। यह हमला अमेरिका-ईरान के बीच नई न्यूक्लियर बातचीत के कुछ ही दिनों बाद हुआ, जब वाशिंगटन ने तेहरान पर अपने एटॉमिक प्रोग्राम पर रोक लगाने का दबाव डाला, और ईरान में आर्थिक शिकायतों को लेकर शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद बढ़ते घरेलू गुस्से के बीच हुआ, जो बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों में बदल गए।

खामेनेई की मौत...

खाड़ी में मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने खामेनेई की मौत को कानून का निंदनीय उल्लंघन बताया। खबरों के मुताबिक, पुतिन ने इस मौत को इंसानी नैतिकता और इंटरनेशनल कानून के सभी नियमों का निंदनीय उल्लंघन बताया। क्रेमलिन द्वारा पब्लिश और ईरानी प्रेसिडेंट मसूद पेजेशकियन को लिखे एक लेटर में पुतिन ने खामेनेई की मौत पर गहरी संवेदना जताई। चीन ने भी इसकी कड़ी निंदा की। एएफपी के मुताबिक, बीजिंग ने कहा कि यह मौत ईरान की सॉवरेनिटी और सिक्योरिटी का गंभीर उल्लंघन है। यूएन चार्टर के मकसद और सिद्धांतों और इंटरनेशनल रिलेशन के बेसिक नियमों को कुचलना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीन इसका कड़ा विरोध करता है और इसकी कड़ी निंदा करता है और मिलिट्री ऑपरेशन को तुरंत रोकने की मांग करता है। चीनी सरकारी मीडिया ने बताया कि रूसी पक्ष की तरफ से शुरू की गई कॉल में, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने सर्गेई लावरोव से फोन पर बात की। चीन की न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बातचीत के दौरान वांग ने कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा एक आजाद नेता की खुलेआम हत्या और सरकार बदलने के लिए उकसाना मंजूर नहीं है।

ईरान के अंतरिम ...

नेता की शक्तियां तब तक संभालेगी, जब तक कि कोई स्थाई उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता। शनिवार को तेहरान पर अमेरिका-इजराइली के हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद सीनियर मौलवी अयातुल्ला अलीरेजा अराफी ईरान के अंतरिम सर्वोच्च नेता बनाया गया है। साल 1959 में जन्मे अयातुल्ला अलीरेजा अराफी (67) ईरान के मौलवी ग्रुप में एक वरिष्ठ व्यक्ति हैं। अपनी अंतरिम सर्वोच्च नेताकी भूमिका से पहले उन्होंने एक साथ कई अहम पदों पर काम किया। वह ईरान के इस्लामिक मदरसों के नेशनल नेटवर्क के प्रमुख हैं। मौलवी गार्डियन काउंसिल के सदस्य के तौर पर काम करते हैं और असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स में बैठते हैं। उनकी नियुक्ति से सर्वोच्च नेता का अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए जिम्मेदार तीन लोगों का कोरम पूरा हो गया है। इस व्यवस्था के तहत वह राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और मुख्य न्यायाधीश गुलाम-होसैन मोहसेनी-एजेई के साथ मिलकर देश का नेतृत्व करेंगे। तीनों के पास अब वह सर्वोच्च प्राधिकरण है, जो पहले सिर्फ खामेनेई के पास था, क्योंकि ईरान एक ऐसे लीडरशिप संकट से गुजर रहा है, जो पहले कभी नहीं हुआ। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के भी नेतृत्व में बदलाव का ऐलान किया है, क्योंकि शनिवार को हुए हमलों में उसके कमांडर-इन-चीफ जनरल मोहम्मद पाकपुर की मौत हो गई थी। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक अहमद वहीदी को नया आईआरजीसी प्रमुख बनाया गया है। आईआरजीसी ईरान के सबसे ताकतवर इंस्टीट्यूशन में से एक है और यह देश की रेगुलर आर्म्ड फोर्स से अलग काम करता है।

मिडल ईस्ट में महायुद्ध ...

हमले *ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने* के लिए किए गए थे। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पूरे क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों और सहयोगियों पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे, जिनमें इजराइल, बहरीन, कुवैत, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन को निशाना बनाया गया। रविवार को इजराइल ने कहा कि उसने *तेहरान के केंद्र* पर नए हमले किए हैं। इस बीच, ईरान ने ओमान के दुक्म बंदरगाह पर हमला किया और ओमान के तट पर एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। बढ़ते संकट के बीच, कई भारतीय नेताओं ने प्रभावित देशों में फंसे नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए तत्काल उपायों का आग्रह किया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पश्चिम एशिया में फंसे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया और हेल्पलाइन जैसी सुविधाओं के साथ-साथ प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की ओर से समर्थन की पेशकश की। मुख्यमंत्री ने बढ़ते संकट के बीच भारतीय नागरिकों की सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

इस बार मिलेगा...

ढेकियाजुली निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की *जन आशीर्वाद यात्रा* का आधिकारिक रूप से शुभारंभ किया। यात्रा के पहले चरण का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने पार्टी के भावी प्रयासों के लिए जनता से समर्थन मांगा। यात्रा गुप्तेश्वर मंदिर से शुरू हुई, जिसका उद्देश्य प्रतिदिन एक लाख लोगों से जुड़ना है। पार्टी ने कार्यक्रम के आठ दिवसीय प्रारंभिक चरण की घोषणा कर दी है, जो 9 मार्च तक चलेगा। राज्य भाजपा के अनुसार, इस यात्रा के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारों की विकास और कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाया जाएगा, साथ ही आगामी विधानसभा चुनावों के लिए असम के नागरिकों का आशीर्वाद भी मांगा जाएगा। इससे पहले, शर्मा ने विधानसभा चुनाव अभियान के लिए भाजपा के *चुनावी गीत* जारी किए। गुवाहाटी स्थित भाजपा राज्य मुख्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने असम विधानसभा चुनाव 2026 के अभियान के लिए तीन चुनावी गीत आधिकारिक रूप से जारी किए। मालूम हो कि मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर आयोजित *जन आशीर्वाद यात्रा* के दूसरे दिन रविवार सुबह जागीरोड निर्वाचन क्षेत्र से फिर से शुरू हुई, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ असम भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया भी शामिल थे। यह जुलूस मोरीगांव, रोहा, नगांव और बरहमपुर निर्वाचन क्षेत्रों को कवर किया। अभियान विषय असम की सुरक्षा *भाजपा की प्रतिबद्धता है* के तहत आयोजित किया गया। हजारों लोगों ने फिर से आज भाजपा नेतृत्व का स्वागत करने के लिए एकत्र हुए, फूलों की पंखड़ियां अर्पित की और मुखर समर्थन दिया। यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री ने अगले पांच वर्षों में अतिक्रमित भूमि के पांच लाख बीघा वापस लेने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भूमि पट्टे केवल स्वदेशी लोग ही प्राप्त करेंगे और असम की भूमि और पहचान की सुरक्षा के संबंध में उन्होंने जिसे एक स्पष्ट संदेश बताया। यात्रा ने सरकार की उन पहलों को भी उजागर किया जो ऐतिहासिक बटद्राव थान स्थित श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान को बहाल और पुनर्विकसित करने के लिए की जा रही हैं, जिसे व्यापक सांस्कृतिक और विरासत संरक्षण प्रयासों का हिस्सा माना जा रहा है। प्रतीकात्मक रूप से यात्रा के कुछ हिस्सों के दौरान बुलडोजरों की उपस्थिति ने प्रशासन की अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कथित दृढ़ संकल्प को रेखांकित किया। असम प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है बल्कि असम के स्वदेशी समुदायों के हितों की रक्षा करने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को पुन: पुष्ट करने वाली एक पहुंच पहल है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा स्वदेशी जनसंख्या के प्रति सरकार की जवाबदेही और राज्य में सुरक्षा, विकास और कानून सम्मत शासन सुनिश्चित करने के संकल्प को दर्शाती है। ज्ञात हो कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा आयोजित जन आशीर्वाद यात्रा का पहला दिन देर रात नदुआर विधानसभा क्षेत्र में समाप्त हुआ, जिसमें दौरा करते हुए ढेकियाजुली, बोरसोला, तेजपुर और रंगापारा निर्वाचन क्षेत्रों से गुजरा। 28 फरवरी की सुबह 10 बजे शुरुआत होकर यात्रा रात के समय तक जारी रही। यह यात्रा, सैकड़ों हजारों लोगों की भागीदारी का साक्षी बनी, जो सड़कों पर खड़े होकर अपनी शुभकामनाएं और समर्थन देने पहुंचे। पूरे मार्ग में, जनता के सदस्यों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक विधियों के साथ स्वागत किया, मिट्टी के दीपक और धूप जलाए, और सम्मान और सौहार्द के प्रतीक के रूप में उन पर फूलों की पंखड़ियां बरसाईं। राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कई नीतिगत कदमों के लिए आभार व्यक्त करने के लिए राजमार्गों के किनारे बड़ी संख्या में जनसमूह एकत्र हुए, जिनमें देशज निवासियों के लिए भूमि पट्टे, योग्यता आधारित और पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाएं, युवाओं के सशक्तिकरण के लिए कल्याणकारी योजनाएं, अरुणोदोई पहल, मुख्यमंत्री का उद्यमिता मिशन, चाय बगान श्रमिकों के वेतन वृद्धि और भूमि अधिकार संबंधी पहल शामिल हैं। समर्थकों ने डॉ. शर्मा का वर्णन असम को सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए अपनी पहली और मुख्य पसंद के रूप में किया, यात्रा मार्ग के नारे लगाते और उत्साहपूर्वक जयकार करते हुए।

पश्चिम एशिया में रहने ...

एशिया में असम के लोगों के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल हम डेटा जुटाने की प्रक्रिया में हैं। जैसे ही हमारे पास और जानकारी आएगी, हम उसे साझा करेंगे। राज्य के लोग पश्चिम एशिया में विमानन और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करते हैं, हालांकि संख्या के बारे में कोई आधिकारिक डेटा तुरंत उपलब्ध नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल ने शनिवार को ईरान पर एक बड़ा हमला किया, जिसमें रविवार तड़के ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी गई। इस संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया और उससे परे, भारत सहित, सैकड़ों उड़ानें बाधित हुई हैं, क्योंकि हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध और बंदी के कारण एयरलाइंस को अपने मार्गों को बदलना, सेवाओं को निलंबित करना या रद्द करना पड़ रहा है।

एनडीए की सरकार ...

लेकिन एनडीए की इस विशाल रैली को देखकर उनके सपने दुःस्वप्न में बदल जाएंगे। यह चुनाव तमिलनाडु का निर्णायक मोड़ है। लोगों ने अपना मन बना लिया है; लोगों ने तय कर लिया है कि डीएमके को सत्ता से बाहर करना है। वे यह भी अच्छी तरह जानते हैं कि केवल एनडीए ही बदलाव ला सकता है। तमिलनाडु की अगली सरकार एनडीए की होगी। उन्होंने आगे कहा कि 2021 में, 25 लंबे वर्षों के बाद, डीएमके को अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिला, लेकिन उन्होंने सुशासन नहीं दिया। उन्होंने राज्य को लूटा और वंशवादी राजनीति को बढ़ावा दिया। मदुरै एमजीआर के साथ खड़ा रहा, जो इस शहर से बेहद प्यार करते थे। यही कारण है कि डीएमके ने कभी मदुरै को पसंद नहीं किया और मदुरै में माफिया जैसी राजनीति लाई। वे खराब जल निकासी और अपशिष्ट प्रबंधन की कमी लेकर आए। उन्होंने मदुरै को स्वच्छता में राष्ट्रीय रैंकिंग में सबसे नीचे पहुंचा दिया, और भ्रष्टाचार के कारण महापौर को इस्तीफा देना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी ने आज सुबह अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की और बताया कि उन्होंने कार्तिकई दीपम विवाद को लेकर आत्मदाह करने वाले भक्त पूर्णचंद्रन के परिवार से मुलाकात की। मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले का विरोध करने के लिए डीएमके की आलोचना करते हुए, जिसमें भक्तों को तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी की चोटी पर स्थित दीपा थून पर औपचारिक दीपक जलाने की अनुमति दी गई थी, प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्य और भगवान मुरुगन की जीत होगी।

पंजाब में धर्म ...

नहीं। गृह मंत्री ने जोर देकर कहा कि अगर आज हम किसी लालच में आकर अपना धर्म बदलते हैं, तो हम अपने महान गुरुओं के सच्चे अनुयायी नहीं कहला सकते। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार और वहां के हर धर्म के लोगों को मिलकर इस धर्म परिवर्तन को रोकना चाहिए। अपने संबोधन में शाह ने कहा कि अगर गुरु तेग बहादुर ने हिंदू धर्म को बचाने के लिए अपनी कुर्बानी न दी होती, तो आज दुनिया में एक भी हिंदू नहीं बचता। उन्होंने स्वीकार किया कि पहले कुछ लोगों ने उनके इस बयान पर आपत्ति जताई थी, लेकिन यह एक ऐसा सच है जिसे सबको मान लेना चाहिए। इतिहास का जिक्र करते हुए शाह ने बताया कि जब मुगल शासक औरंगजेब के समय कश्मीरी पंडितों पर जुल्म हुए, तब उन्होंने गुरु तेग बहादुर से मदद मांगी थी। गुरु ने औरंगजेब को चुनौती दी थी कि अगर वह उनका धर्म बदल सका, तो बाकी सब भी बदल लेंगे। औरंगजेब ने इसे चुनौती माना और गुरु के साथियों को मार डाला। इसके बावजूद गुरु तेग बहादुर अडिग रहे और अंत में खुद को कुर्बान कर दिया। उनके इस बलिदान ने हिंदुओं को अपनी लड़ाई जारी रखने की हिम्मत और प्रेरणा दी। शाह ने गुरु नानक देव की शिक्षाओं को भी याद किया। उन्होंने कहा कि भगवान का नाम लेने, प्रार्थना करने और साथ मिलकर भोजन करने की परंपरा ने मुगल हमलावरों के खिलाफ नैतिक ताकत दी। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में सनातन धर्म को मानने वाले लोग सिख गुरुओं के हमेशा शुक्रगुजार रहेंगे। दस सिख गुरुओं ने जो परंपराएं बनाई हैं, वे पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल हैं।

बंगाल एसआईआर : भारतीय ...

देखा गया कि ऋचा का नाम अनसेटल्ड लिस्ट में था। सिर्फ ऋचा ही नहीं, बल्कि उनकी बहन सोमश्री का नाम भी अप्रूव्ड लिस्ट में नहीं है। ऋचा घोष का नाम संदिग्ध केस की लिस्ट में क्यों है? क्या ऋचा को सुनवाई का नोटिस भेजा गया था? ऋचा के पिता ने कहा कि कोई नोटिस नहीं भेजा गया था। हालांकि, उनके पिता से एक डॉक्यूमेंट मांगा गया था। ऋचा के पिता ने कहा कि इलेक्शन कमीशन ने पहले कुछ जानकारी मांगी थी। मैंने उसे जमा कर दिया था। मैंने बर्थ सर्टिफिकेट दिया था। उसे अपलोड भी कर दिया गया था। इस बीच, ऋचा के माता-पिता दोनों के नाम 2002 की लिस्ट में हैं। इसलिए ऋचा के माता-पिता को समझ नहीं आ रहा है कि ऋचा का नाम संदिग्ध केस की लिस्ट में कैसे आया है? इस बीच, लोकल वार्ड नंबर 19 की काउंसलर मौसमी हाजरा आज ऋचा घोष के घर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि एक लड़की जो देश के लिए खेलती है और जिसके पास पासपोर्ट है, उसका नाम पेंडिंग क्यों होना चाहिए? अगर उसके जैसी सेलिब्रिटी के साथ ऐसा हो सकता है, तो यह समझा जा सकता है कि एक आम आदमी के साथ क्या हो सकता है। इस बारे में, राज्य भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह चुनाव आयोग का मामला है। आयोग इस मामले को देखेगा। वैसे, यहां यह बताना जरूरी है कि सिर्फ इसलिए कि किसी का नाम संदिग्ध लिस्ट में है, ऐसा बिल्कुल नहीं है कि उसका नाम हटा दिया जाएगा। जिनके नाम संदिग्ध लिस्ट में हैं, वे अभी भी पेंडिंग प्रोसेस में हैं। न्यायिक अधिकारी उनके डॉक्यूमेंट्स की जांच कर रहे हैं। फाइनल लिस्ट के प्रकाशन के बाद, यह देखा गया कि 60 लाख से ज्यादा वोटर संदिग्ध लिस्ट में हैं। डॉक्यूमेंट्स के वेरिफिकेशन के बाद सप्लीमेंट्री लिस्ट प्रकाशित की जाएगी। उसके बाद ही पता चलेगा कि संदिग्ध लिस्ट से और कितने नाम हटाए जा रहे हैं।

नागपुर फैक्ट्री विस्फोट...

बचाव कार्य में लगाया गया है। पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) तथा औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय (डीआईएएस) के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। प्रशासन को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना को अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के आश्रितों को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सभी घायलों का इलाज राज्य सरकार के खर्च पर कराया जाएगा और घटना की उच्चस्तरीय जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे के बाद विस्फोटक निर्माण इकाइयों में सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रारंभिक आशंका है कि पैकिंग यूनिट में तकनीकी गड़बड़ी या सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण विस्फोट हुआ हो सकता है। हालांकि, वास्तविक कारण जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। प्रशासन ने फैक्ट्री परिसर को सील कर दिया है और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

ईरान-इजरायल युद्ध ...

इसीलिए इसे देख पाना और भी कठिन है। पीवी ने बताया कि कि संदेश भेजकर हालचाल पूछने वाले सभी लोगों को धन्यवाद; इसका मेरे लिए बहुत महत्व है। मैं अभी सुरक्षित हूं, अपनी टीम के साथ दुबई में फंसी हुई हूं, और ईरान के साथ युद्ध की स्थिति में लगातार बदलाव के बावजूद हम ठीक हैं। हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी मची हुई है, कई परिवार फंसे हुए हैं और इंतजार कर रहे हैं, हम सभी बस यही उम्मीद कर रहे हैं कि यह स्थिति जल्द ही खत्म हो जाए। गौरतलब है कि, देश भर की एयरलाइंस को उड़ानें बदलनी पड़ीं या रद करनी पड़ीं, और हवाई अड्डों ने फंसे हुए यात्रियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए। एयर इंडिया और इंडिगो दोनों ने कहा कि वे विमानन अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और चौबीसों घंटे स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

पीएम की कोकराझाड़ ...

आने की उम्मीद है और इतनी बड़ी भीड़ के लिए उचित व्यवस्था की जा रही है। उसी दिन, असम के पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह, मंत्री और बीटीसी प्रमुख हाग्रामा मोहिलारी तैयारियों का जायजा लेने के लिए कोकराझाड़ ग्रीन फील्ड में मौजूद थे। अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के सुचारू और सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों, बैठने की व्यवस्था, मंच निर्माण और अन्य रसद संबंधी पहलुओं का निरीक्षण किया। इस महत्वपूर्ण दौरे से पहले अधिकारी पूरे जिले में सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन योजनाओं को मजबूत कर रहे हैं।

खामेनेई के मारे जाने ...

में भारत सरकार से मजलूम का साथ देने और सैयद अली खामेनेई के निधन पर शोक संदेश जारी करने की मांग की गई। विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए शिया धर्म गुरुओं ने कहा कि भारत ने हमेशा मजलूमों का साथ दिया है और इस बार भी भारत सरकार को मजलूमों का साथ देना चाहिए। विरोध प्रदर्शन में खामेनेई के मारे जाने पर दुख और गम का इजहार किया गया। शिया धर्म गुरुओं ने इस मौके पर कहा कि अमेरिका और इजरायल के जरिए किए गए हमले में खामेनेई शहीद हुए और शहीद हमेशा जिंदा रहता है। उन्होंने अमेरिका और इजरायल की इस कार्रवाई का विरोध करते हुए इसे एक कायराना कार्रवाई करार दिया है। इस मौके पर उपस्थित लोगों के हाथों में खामेनेई की तस्वीर देखी गई और बड़ी संख्या में लोगों के रोने की आवाजें भी आ रही थीं।

असम विस चुनाव 2026 : दिसपुर विस क्षेत्र में कौन लहराएगा परचम

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के चुनाव नजदीक आते ही क्षेत्रवार राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। असम के इतिहास में 2026 के विधानसभा चुनाव को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। क्योंकि, क्षेत्र पुनर्निर्धारण के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव आयोजित होंगे। प्रतिष्ठित दिसपुर क्षेत्र में चुनावी हवा तेज हो गयी है। पांच बार प्रतिनिधित्व करने वाले अतुल बोरा इस बार क्षेत्र में आखिरी हंसी हस पाएंगे या नहीं, यह वर्तमान में लाख टके का सवाल बन गया है। उल्लेखनीय है कि, दिसपुर में असम विधानसभा का बजट सत्र 16 मार्च, 1973 को आयोजित होने के साथ ही दिसपुर असम विधानसभा का केंद्र बिंदु बन गया। निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के बाद दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण ने दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र पर प्रभाव डाला है। पहले दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 4 लाख 6 हजार मतदाता थे। निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण के बाद दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र को दो भागों में विभाजित किया गया। 33 नंबर दिसपुर और 34 नंबर डिमोरिया निर्वाचन क्षेत्र का सृजन किया गया है। वर्तमान में दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या लगभग 2.49 लाख है। पूर्व के पश्चिम गुवाहाटी और पूब गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्रों के कई इलाके अब दिसपुर क्षेत्र के अंतर्गत शामिल किए गए हैं। उसी तरह दिसपुर क्षेत्र के पूर्व के कई इलाके क्षेत्र पुनर्निर्धारण के बाद नए रूप में बनी डिमोरिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शामिल हो गए हैं। नए सीमांकन के साथ गठित दिसपुर क्षेत्र में गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के 13 वार्ड शामिल किए गए हैं। पूर्व के पश्चिम गुवाहाटी के कई इलाके दिसपुर क्षेत्र में शामिल हैं, जिनमें दक्षिण गांव सोनाईघुली क्षेत्र प्रमुख है। पूर्व के पश्चिम गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्र के 22, 24, 25 नंबर जीएमसी वार्ड इस बार दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र में शामिल किए गए हैं। साथ ही पूर्व गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्र के 26, 28, 40 और 39 नंबर जीएमसी के वार्ड का कुछ हिस्सा दिसपुर में सम्मिलित किया गया है। कुल 13 वार्डों से बने दिसपुर अब पूरी तरह से शहरी क्षेत्र है। 33 नंबर दिसपुर विधानसभा क्षेत्र में गुवाहाटी नगर निगम का 16 नंबर वार्ड का लालगणेश, उदालबाकरा, ज्योतिकुची, 17 नंबर वार्ड का साउकुची, 22 नंबर वार्ड का लुतुमा, काहिलिपाड़ा पावर हाउस, 24 नंबर वार्ड का उदयाचल, गणेशगुरी, 26 नंबर वार्ड का श्रीमंतपुर, 43 नंबर वार्ड का क्रिस्चियन बस्ती, आनंदनगर, 44 नंबर वार्ड का चिड़ियाखाना, जापरीगोग का हिस्सा, 55 नंबर वार्ड का बेलतला, सर्वे, रुक्मिणीगांव, 56 नंबर वार्ड का बशिष्ठ, लताकटा, 57 नंबर वार्ड का भेटापारा, बशिष्ठ, घोरामारा, 58 नंबर वार्ड का बेलतला क्षेत्र, 59 नंबर वार्ड का काहिलिपारा, हाथीगांव और 60 नंबर वार्ड का हाथीगांव, भेटापारा का विस्तृत क्षेत्र शामिल है। मतदाता सूची के अनुसार दिसपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 2,43,176 है। इनमें से 1,17,027 पुरुष, 1,26,137 महिला और 12 तृतीय लिंग के मतदाता हैं। क्षेत्र में पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक है। क्षेत्र में मतदान केंद्रों की संख्या पहले के 249 से बढ़ाकर 272 कर दी गई है। दिसपुर क्षेत्र के वर्तमान विधायक भाजपा के अतुल बोरा हैं। 2016 से अतुल बोरा लगातार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 2021 के चुनाव में अतुल बोरा ने 1,96,043 वोट प्राप्त करके जीत हासिल की। जबकि, 74,386 वोट प्राप्त करके दूसरे स्थान पर कांग्रेस के मनजीत महंत थे। वहीं 2016 के चुनाव में अतुल बोरा ने कांग्रेस के प्रभावशाली नेता अकन बोरा को हराया था। उल्लेखनीय है कि असम आंदोलन के नेता अतुल बोरा ने 1985 में निर्दलीय और 1991 तथा 1996 में अगप के रूप में विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद 2001 में कांग्रेस के रोबीन बोरदलोई ने प्रतिनिधित्व किया। वहीं 2006 और 2011 में दिसपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कांग्रेस के अकन बोरा ने किया। उल्लेखनीय है कि, राज्य के एक प्रमुख दिसपुर निर्वाचन क्षेत्र में इस बार वर्तमान विधायक अतुल बोरा के समानांतर प्रत्याशित्व की दावेदारी के साथ ही प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपाध्यक्ष जयंत दास के साथ-साथ मानस बोरा, रंजीत मजूमदार, जयंत डेका, जानकी खाउंड, उमी डेका बरुवा, कंकना गोस्वामी, आशीष भराली प्रमुख नेता और कार्यकर्ता अभियान जारी रख रहे हैं। वहीं प्रत्याशित्व की दावेदारी करते हुए जयंत दास ने वाजपेयी भवन में भी आवेदन किया है। निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्याशि पहले ही मतदाताओं के बीच जाकर सभाएं और बैठकें आयोजित कर जनता से समर्थन प्राप्त करने के लिए अनौपचारिक प्रतियोगिता में उतर चुके हैं। विशेष रूप से जयंत दास और मानस बोरा युद्ध स्तर पर मैदान में उतर चुके हैं। प्रत्याशियों ने इस प्रकार अतुल बोरा के सामने चुनौती पैदा की है, लेकिन निश्चित रूप से अंतिम क्षण में किसका भाग्य चमकेगा, यह विशेष रूप से ध्यान देने योग्य होगा।

असम में एनडीए सरकार फिर बनेगी : हग्रामा महिलारी

गुवाहाटी (हिंस)। बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट के अध्यक्ष हग्रामा महिलारी ने रविवार को दावा किया कि राज्य में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास और समर्थन एनडीए के साथ है। इसी नारे के साथ महिलारी ने पार्टी की *दिसपुर चलो यात्रा* का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा जनता के समर्थन को संगठित करने और आगामी चुनाव को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी एनडीए को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) महिलारी ने यह भी कहा कि आगामी पांच वर्षों में सभी चुनावी वादों को अक्षरशः पूरा किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के समग्र विकास और जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री ने अपने बिहार समकक्ष नीतीश कुमार को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने सोशल मीडिया संदेश में डॉ. शर्मा ने कहा कि नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार ने जनकेंद्रित सुशासन का एक नया युग देखा है और राज्य प्रगति, विकास तथा समावेशी वृद्धि की दिशा में निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मुख्यमंत्री ने मां कामाख्या और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की प्रार्थना करते हुए कहा कि वे जनसेवा के कार्य में निरंतर समर्पित रहें।

डिब्रूगढ़ पहुंची एपीसीसी की *समय परिवर्तनर* यात्रा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की *समय परिवर्तनर* यात्रा का दूसरा चरण शनिवार को डिब्रूगढ़ जिले में पहुंचा। एपीसीसी अध्यक्ष गौरव गोगोई के नेतृत्व में यात्रा नाहरकटिया, दुलियाजन और टिंगखोंग विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरी। कार्यक्रम की शुरुआत नाहरकटिया के रैडोंगिया नामघर में पूजा-अर्चना से हुई, जिसके बाद पदयात्रा और बाइक रैली निकाली गई। इस दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए गौरव गोगोई ने *नया और महान असम* बनाने, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ सीधे बैंक खाते में मिलेगा। यात्रा के दौरान कांग्रेस नेतृत्व ने स्थानीय धार्मिक स्थलों का दौरा किया तथा ऑयल इंडिया लिमिटेड के कर्मचारियों, व्यापारियों और किसानों से संवाद किया। नेता प्रतिपक्ष देबब्रत सैकिया और सांसद प्रद्युत बरदलै सहित कई वरिष्ठ नेता भी इस दौरान मौजूद रहे। यात्रा रविवार को तिनसुकिया जिले में जारी रही।

त्रिपुरा सरकार 10 ग्राम पंचायतों में प्रायोगिक आधार पर *नारी अदालत योजना* शुरू करेगी

अगरतला। त्रिपुरा मंत्रिमंडल ने राज्य भर की 10 ग्राम पंचायतों में केंद्र की *नारी अदालत* योजना को प्रायोगिक आधार पर शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, परिवहन और पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह निर्णय गुरुवार को मुख्यमंत्री माणिक साहा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू की गई *नारी अदालत* पहल, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों के समाधान के लिए पंचायत स्तर पर मध्यस्थता मंच के रूप में कार्य करेगी। इस मंच का उद्देश्य सामुदायिक तंत्रों के माध्यम से विवादों का समाधान करना और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस हस्तक्षेप की सिफारिश करना है। प्रत्येक नारी अदालत में समुदाय के नौ सम्मानित सदस्यों की एक समिति होगी।

मध्यरात्रि अभियान में 21 अवैध प्रवासियों को वापस भेजा गया : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि श्रीभूमि पुलिस द्वारा किए गए एक मध्यरात्रि अभियान में 21 अवैध प्रवासियों को वापस बांग्लादेश भेजा गया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान लगभग 12.30 बजे रात को किया गया था। उन्होंने जिला पुलिस को उनकी सतर्कता का क्रेडिट दिया, यह बताते हुए कि प्रवासियों को पकड़ा गया, उनके दस्तावेजीकरण किया गया और उन्हें वापस भेज दिया गया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि चौकस निगाहें। मध्यरात्रि की कार्रवाई। ठीक 12-30 बजे, 21 अवैध प्रवासियों को उनके संबंधित देशों में वापस भेजा गया। उन्होंने पुलिस कर्मियों की रात भर सतर्क रहने की प्रशंसा की। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई अवैध प्रवासियों का पता लगाने और उन्हें निष्कासित करने के चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में की गई।

नाजिरा में *लव जिहाद* मामले में युवक गिरफ्तार

शिवसागर (हिंस)। नाजिरा पुलिस ने कथित *लव जिहाद* से जुड़े एक मामले में शनिवार शाम एक युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान आफताब अली के रूप में हुई है, जिसे गुवाहाटी के सोनापुर क्षेत्र से पकड़ा गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर *राहुल लाहन* नाम से फर्जी पहचान बनाकर हिंदू युवतियों से संपर्क किया। आरोप है कि उसने नाजिरा नगर के टकौ अली क्षेत्र की एक हिंदू युवती को प्रेम प्रस्ताव देकर नगांव ले गया। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है। मामले की जांच जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गुवाहाटी से कार व्यवसायी का अपहरण, लूटे 45 हजार, सोने की चेन

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सातगांव क्षेत्र से कार व्यवसायी महिदुल अली का कथित रूप से पांच नशेड़ी युवकों के एक दल ने बीती रात अपहरण कर लिया। आरोप है कि युवकों ने उनसे पांच लाख रुपए की मांग की। जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने महिदुल अली को जबरन अपने कब्जे में लेकर पांच लाख रुपए देने के लिए दबाव डाला। राशि देने से इनकार करने पर युवकों ने उनके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने उनके पास से 45 हजार रुपए नकद और एक सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।

रंगिया महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया रंगोंत्सव होली

रंगिया (विभास)। हर वर्ष की तरह इस बार भी रंगिया महिला मंडल के तत्वावधान में होली उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। रविवार को दोपहर 3-30 बजे से स्थानीय राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण स्थित गोयनका सत्संग हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में नृत्य नाटिका, प्रश्नोत्तरी, हास्य नाटिका और सांस्कृतिक संध्या एवं भजन कीर्तन आदि कार्यक्रमों का शानदार प्रदर्शन हुआ। समाज की स्थानीय महिलाओं, युवतियों और बच्चों ने अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन करते हुए विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संध्या 5-30 बजे से शुरू हुए भजन एवं लोकगीत कार्यक्रम में गुवाहाटी की प्रसिद्ध गायिका संगीता पोद्दार के भजनों और लोकगीतों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। लड्डू गोपाल और राधा-कृष्ण के संग फूलों, रंगों एवं इत्र की होली कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। उपस्थित महिलाओं, युवतियों और बच्चों ने भजनों की धुन पर नृत्य करते हुए होली का खूब आनंद उठाया। कांता देवी क्याल के दिशानिर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में नृत्य का संचालन मोनिका अगरवाल और प्रियल क्याल ने किया। कार्यक्रम का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें भक्तों को माखन, मिश्री, फल और मिठाई बांटी गई।

लौहपुरुष राष्ट्रीय एकात्मता पुरस्कार समारोह में राज्यपाल शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने रविवार को गुवाहाटी स्थित लोहिया लाइंस गुवाहाटी ऑडिटोरियम में भारत भारती द्वारा आयोजित *लौहपुरुष राष्ट्रीय एकात्मता पुरस्कार* वितरण समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने इस आयोजन को एकता, राष्ट्रीय भावना और सामूहिक संकल्प का उत्सव बताया। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को हार्दिक बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर दिए जाने वाले सम्मान हमें भारत की एकता और अखंडता में उनके अद्वितीय योगदान की याद दिलाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के समय जब देश राजनीतिक विखंडन की चुनौती का सामना कर रहा था, तब सरदार पटेल के साहस, दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प ने 500 से अधिक रियासतों के एकीकरण को संभव बनाया और एक मजबूत एवं एकजुट भारत की नींव रखी। राज्यपाल ने कहा कि एकता केवल भौगोलिक सीमाओं का मेल नहीं, बल्कि मनों का सामंजस्य है, जो भाषा, धर्म, संस्कृति और क्षेत्रीय भिन्नताओं से ऊपर उठकर समाज को जोड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत की स्थायी शक्ति उसकी *विविधता में एकता* की परंपरा में निहित है। सर्वे भवन्तु सुखिन: और वसुधैव कुटुंबकम् जैसे आदर्शों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये मूल्य राष्ट्र को समावेशी और करुणामय दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर चलना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि असम विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है, जिसमें सामाजिक संगठनों और समर्पित नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। सार्वजनिक सेवा को एक महान कार्य बताते हुए राज्यपाल ने युवाओं से सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व को जीवन के मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने भारत भारती के राष्ट्रीय एकीकरण, सांस्कृतिक सद्भाव और देशभक्ति के मूल्यों के प्रसार के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय पत्राले, राष्ट्रीय सचिव रुद्र नारायण तिवारी, ट्रस्ट अध्यक्ष सुभाष धवन, ईशान भारती के अध्यक्ष भास्कर दत्ता गोस्वामी, संयोजक शोभन व्यास सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एकल अभियान के तहत ग्रामीण महिला सशक्तिकरण के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र उद्घाटित

नगांव (विभास)। एकल ग्रामोथान फाउंडेशन के तत्वावधान में संचालित एकल अभियान के अंतर्गत ग्रामीण महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से एक सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह नगांव आंचल अध्यक्ष राधारमण खटुवाला, महिला समिति की अध्यक्ष बबीता बगड़िया तथा तीवा काउंसिल समिति के अध्यक्ष मदन बरदलै की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण केंद्र में अब तक 40 महिला प्रशिक्षार्थियों ने नामांकन करा लिया है। यह पाठ्यक्रम इंदिरा गांधी मुक्त जनजातीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित होगा तथा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाली महिलाओं को विधिवत प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। आयोजकों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

रूपाहीहाट में आग से स्कूल जलकर राख

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत रूपाहीहाट में रविवार को एक निजी स्कूल में अचानक आग लग गई, जिससे इमारत और संपत्ति को भारी नुकसान हुआ है। यह घटना ज्ञान विकास विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हुई। चश्मदीदों के मुताबिक, आग अचानक लगी और कुछ ही समय में पूरे परिसर में फैल गई। जब लोग मौके पर इकट्ठा हुए तो आग की लपटें बिल्डिंग को अपनी चपेट में लेती देखी गईं। इस घटना में करोड़ों की संपत्ति के नष्ट होने की आशंका है। हालांकि, लोगों ने आरोप लगाया कि जब आग लगी रही, तब फायर और इमरजेंसी सर्विस के लोग और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद नहीं थीं। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है। सूचना है कि फायर और इमरजेंसी सर्विस की टीम बिल्डिंग के जलकर राख हो जाने के बाद मौके पर पहुंची। कार्रवाई में देरी का आरोप लगाते हुए लोगों ने फायर अधिकारियों का घेराव किया और विरोध प्रदर्शन किया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

एसएसबी के उप-महानिरीक्षक ने किया भारत-भूटान सीमा चौकियों का दौरा

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के अंतर्गत आने वाली बाह्य सीमा चौकियों दादगिरी और सरलपाड़ा में उप-महानिरीक्षक (पशु चिकित्सा), बल मुख्यालय नई दिल्ली, डॉ. एस.सी. सुखदेव का दो दिवसीय निरीक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरे के दौरान उनके साथ डॉ. ई चोबा सिंह, कमांडेंट (पशु चिकित्सा), सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी और डॉ. लाइश्रम दोरेंद्रो सिंह, कमांडेंट (पशु चिकित्सा), क्षेत्रक मुख्यालय बंगाईगांव भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के पहले चरण में डॉ. सुखदेव ने दादगिरी चौकी में तैनात डॉग स्क्वाड, बॉर्डर इंटेलिजेंस टीम (बीआईटी) और भारत-भूटान गेट का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने खोजी श्वानों की शारीरिक फिटनेस, उनके प्रशिक्षण स्तर, आहार और स्वास्थ्य परीक्षण की गहन समीक्षा की। डॉग हैंडलरों को संबोधित करते हुए उन्होंने आधुनिक उपकरणों के प्रभावी उपयोग और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही, भारत-भूटान सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। दौरे के दूसरे दिन उप-महानिरीक्षक ने सरलपारा स्थित कृत्रिम गर्भाधान केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को दी जा रही पशु चिकित्सा सेवाओं और पशुधन संवर्धन कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने केंद्र के अभिलेखों और उपलब्ध सुविधाओं का परीक्षण कर संबंधित कर्मियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने हेतु निर्देशित किया। अपने संबोधन में डॉ. सुखदेव ने सभी जवानों और अधिकारियों को अनुशासन एवं प्रतिबद्धता के साथ कर्तव्य निर्वहन की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सीमा बल न केवल देश की सीमाओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास और पशुधन संवर्धन के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस दो दिवसीय भ्रमण से न केवल सीमा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूती मिली है, बल्कि विभाग की पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु महत्वपूर्ण मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ है।

रंगिया : राधाकृष्ण मंदिर का स्थापना दिवस दो दिवसीय चार प्रहर एकनाम संकीर्तन के साथ कल से

रंगिया (विभास)। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी फाल्गुन मास में रंगिया के ऐतिहासिक राधाकृष्ण मंदिर (फेला बाबा आश्रम) का स्थापना दिवस एवं 51वां सार्वजनिक चार प्रहर एकनाम संकीर्तन समारोह 3 और 4 मार्च, अर्थात मंगलवार और बुधवार को भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस वर्ष के 51वें सार्वजनिक कार्यक्रम के पहले दिन मंगलवार को आयोजन समिति के अध्यक्ष दंडिधर कलिता द्वारा धार्मिक ध्वजारोहण, 51 ध्वज स्थापना, कार्यालय का उद्घाटन, स्मृति वेदी पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण, प्रिय कलाकार जुबिन गर्ग की छवि पर माल्यार्पण, सुधाकंठ भूपेन हजारिका की छवि पर माल्यार्पण किया जाएगा। इसके बाद राधाकृष्ण मंदिर (फेला बाबा आश्रम) के मुख्य तोरण की आधारशिला स्थापना और सुबह 10.30 बजे भागवत पाठ का आयोजन होगा। दोपहर 1 बजे भोग क्षेत्र का उद्घाटन, दोपहर 3 बजे स्थानीय आयती का नाम परिवर्तन, संध्या 6 बजे 51वें सार्वजनिक चार प्रहर एकनाम संकीर्तन के मुख्य द्वार का उद्घाटन तथा मुख्य दीप प्रज्ज्वलन और दीप प्रज्ज्वलन होगा। इस अवसर पर रंगिया के विधायक भवेश कलिता और कामरूप ग्राम्य जिला परिषद के अध्यक्ष निपन भुइयां सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान संध्या 6.30 बजे ध्वनि उद्बोधन, टोप ध्वनि प्रज्ज्वलन और संकीर्तन का अधिवास होगा। मुख्य आचार्य नलबाड़ी बामुनगांव (बरफानी बाबा) प्रफुल्ल हरि दास उपस्थित रहेंगे। संध्या 7.30 बजे पानी तोलन, 8 बजे महिलाओं का नगाड़ा नाम तथा उसके बाद प्रसाद वितरण और महाभोग वितरण किया जाएगा। दूसरे दिन बुधवार को सुबह 6.30 बजे स्वच्छता अभियान से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। सुबह 8 बजे से एकनाम संकीर्तन का आरंभ, 11 बजे पौधरोपण और दोपहर 1 बजे महाभोग वितरण, संध्या 6 बजे दीप प्रज्ज्वलन तथा रात्रि 9 बजे एकनाम संकीर्तन का समापन उसके बाद प्रसाद एवं भोग वितरण होगा। कार्यक्रम में पाठिका सिपाझार की विभारानी डेका, तामुलपुर की वर्षा डेका, कांदुलीमारी भाई भाई संप्रदाय एकनाम दल और तामुलपुर के श्रीकृष्ण एकनाम दल मुख्य आकर्षण होंगे।

संपादकीय

समाज के लिए गंभीर चुनौती बना 'लव जिहाद'

केरला स्टोरी फिल्म को लेकर एक बार फिर देश में 'लव जिहाद' के विषय पर गंभीर चर्चा प्रारंभ हो गई है। एक ओर तथाकथित प्रगतिशील वर्ग है जो पूरी तरह से लव जिहाद की साजिश और घटनाओं को नकार रहा है। वहीं, दूसरी ओर लगभग प्रतिदिन आ रही घटनाएं बताती हैं कि समाज के लिए 'लव जिहाद' के गंभीर चुनौती बन चुका है। यह सांप्रदायिक तनाव का कारण भी बनता जा रहा है। बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रगतिशील वर्ग को युवतियों पर होने वाले अत्याचार को भी अनदेखा कर रहा है। याद हो कि केरल के ही कम्युनिस्ट नेता जो पहले लव जिहाद को नकारते रहते थे, एक दिन उनके ही घर की बेटी को जिहादियों ने शिकार बना लिया। शुतुरमुर्ग बनने से अच्छा है कि खतरे को स्वीकार किया जाए और उसके निदान के उपाय सोचे जाएं। तुष्टीकरण के चक्कर में गंभीर खतरे को अनदेखा किया जाना सामाजिक एवं कानूनी नजरिए से कतई उचित नहीं है। 'लव जिहाद' की सोच किस हद तक पैर पसार चुकी है, इसके अनेक उदाहरण हमारे सामने आ चुके हैं। उसी कड़ी में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के सनसनीखेज मामले को देखना चाहिए, जिसमें दो मुस्लिम युवतियां ही हिन्दू युवतियों को लव जिहाद के मकड़जाल में फंसाने की सरगना बताई जा रही हैं। इस मामले में जिस तरह से रोजगार और दोस्ती का झांसा देकर युवतियों का शारीरिक और मानसिक शोषण किया गया, वह एक सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। भोपाल में सामने आए इस मामले में आरोपित मुस्लिम युवतियों ने हिंदू युवतियों से दोस्ती की और उन्हें अपने जाल में फंसाया। इसके बाद इन युवतियों को अपने भाइयों, प्रेमियों और रिश्तेदारों को सौंप दिया गया, जिन्होंने उनके साथ दुष्कर्म किया। युवतियों ने पीड़ित लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उनका शोषण किया और धर्म बदलने के लिए दबाव डाला। हिन्दू युवतियों पर बुर्का पहनने, नमाज पढ़ने, कुरान पढ़ने और मुस्लिम युवकों से शादी करने का भारी दबाव बनाया गया। यह केवल एक आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि विश्वासघात का एक ऐसा खतरनाक स्वरूप है जहां महिलाएं ही महिलाओं के खिलाफ एक मोहरे की तरह इस्तेमाल हो रही हैं। भारत का संविधान हर वयस्क नागरिक को अपना जीवनसाथी चुनने और अपनी आस्था का पालन करने की पूर्ण स्वतंत्रता देता है। लेकिन जब रिश्ते की बुनियाद ही झूठ, फरेब, झूठे नाम से पहचान छिपाना या किसी एक धर्म को जबरन थोपने की साजिश शामिल हो, तो वह 'प्रेम' नहीं रहता, बल्कि एक गंभीर अपराध बन जाता है। इस तरह के मामलों में अक्सर देखा गया है कि निशाना उन युवतियों को बनाया जाता है जो रोजगार की तलाश में हैं या कमजोर स्थिति में हैं। भोपाल का मामला इस बात की पुष्टि करता है कि कैसे एक स्पा सेंटर से जुड़े गिरोह ने रोजगार (जैसे बेबी सीटर की नौकरी) के नाम पर इस पूरी साजिश को अंजाम दिया। इस मामले में एक अन्य पीड़ित को ब्यूटीशियन की नौकरी दिलाने के बहाने फंसाया गया, जहाँ संजना नाम बताकर असली पहचान (जन्नत) छिपाई गई। कई राज्य सरकारों ने छल-कपट और जबरन मतांतरण को रोकने के लिए सख्त कानून बनाए हैं। मध्य प्रदेश पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर अमरीन, आफरीन और चंदन (कन्वर्टेड मुस्लिम) सहित कुछ आरोपितों की गिरफ्तारी भी की है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। लेकिन केवल कानून का होना ही काफी नहीं है, उसका धरातल पर कड़ाई से पालन होना भी जरूरी है। ऐसे मामलों की जांच तेजी से होनी चाहिए ताकि ऐसे संगठित गिरोहों को जड़ से खत्म किया जा सके। इसके साथ ही, यह सामाजिक स्तर पर भी सतर्क होने का समय है। युवाओं को, विशेषकर रोजगार के लिए घर से बाहर निकलने वाली युवतियों को, नए लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचना चाहिए। परिवारों को भी अपने बच्चों के साथ ऐसा संवाद स्थापित करना चाहिए कि वे किसी भी तरह के दबाव, ब्लैकमेलिंग या असामान्य व्यवहार का शिकार होने पर बेझिझक अपनी बात रख सकें। 'लव जिहाद' को लेकर सामूहिक चेतना की आवश्यकता है।

'लव जिहाद' की सोच किस हद तक पैर पसार चुकी है, इसके अनेक उदाहरण हमारे सामने आ चुके हैं। उसी कड़ी में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के सनसनीखेज मामले को देखना चाहिए, जिसमें दो मुस्लिम युवतियां ही हिन्दू युवतियों को लव जिहाद के मकड़जाल में फंसाने की सरगना बताई जा रही हैं। इस मामले में जिस तरह से रोजगार और दोस्ती का झांसा देकर युवतियों का शारीरिक और मानसिक शोषण किया गया, वह एक सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। भोपाल में सामने आए इस मामले में आरोपित मुस्लिम युवतियों ने हिन्दू युवतियों से दोस्ती की और उन्हें अपने जाल में फंसाया। इसके बाद इन युवतियों को अपने भाइयों, प्रेमियों और रिश्तेदारों को सौंप दिया गया, जिन्होंने उनके साथ दुष्कर्म किया। युवतियों ने पीड़ित लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उनका शोषण किया और धर्म बदलने के लिए दबाव डाला। हिन्दू युवतियों पर बुर्का पहनने, नमाज पढ़ने, कुरान पढ़ने और मुस्लिम युवकों से शादी करने का भारी दबाव बनाया गया।

न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार और लंबित मामलों के साथ-साथ वास्तविक चुनौतियों से भी परिचित कराया जाएगा

न्यायपालिका के साथ विधायिका और कार्यपालिका की भी तय हो जवाबदेही

प्रमोद भार्गव

न्यायालयों में पर्याप्त भ्रष्टाचार है, लेकिन बिना किसी साक्ष्य के उस पर बात करना उचित नहीं है। जहां तक न्यायालयों में लंबित मुकदमों और न्यायाधीशों की कमी की बात है तो अदालतें स्वयं ही आंकड़े प्रस्तुत करती रहती हैं। इन कमियों को सामने लाना न्यायपालिका की पारदर्शिता को दर्शाता है। लेकिन लगभग यही स्थिति देश की राजस्व न्यायालयों में भी है, जिन्हें आधारित नायाब तहसील, तहसील, एसडीएम, जिलाधिकारी और आयुक्त न्यायालय करते हैं।' हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' अध्याय में उल्लेखित है कि 'न्यायाधीश आचार संहिता से बंधे होते हैं, जो उनके न्यायालय के भीतर और बाहर दोनों प्रकार के आचरण को नियंत्रित करती है।' पुस्तक में यह भी दर्ज है कि कई स्तरों पर भ्रष्टाचार के अनुभव देखने में आते हैं, जिससे गरीब और वंचित वर्ग के लोगों की न्याय तक पहुंचने की उम्मीद प्रभावित होती है। परंतु यहां सवाल उठता है कि राजस्व न्यायालयों में यह स्थिति और भी ज्यादा खराब है। इनमें तो भूमि स्वामी का नाम बदल दिया जाता है। जब मामला सामने आता है तो उसे कंप्यूटर की भूल बता दिया जाता है।

राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पाठ्य पुस्तकों में धर्म, इतिहास और प्राचीन भारतीय विज्ञान व ज्ञान परंपरा से संबंधित यदि कोई पाठ जोड़ा जाता है, तो वह अक्सर विवाद का कारण बनता है। यहाँ तक कि लोकसभा में हंगामा होता है और बदली गई पाठों वाली पुस्तकें जलाई जाती हैं। लेकिन अब एनसीईआरटी ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्य पुस्तक में एक नया पाठ जोड़कर 'आ बैल मुझे मार' कहावत को चरितार्थ कर किया है। इस पाठ के जरिए अब विद्यालयों में विद्यार्थियों को कम उम्र से ही न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार और लंबित मामलों के साथ-साथ वास्तविक चुनौतियों से भी परिचित कराया जाएगा। इसमें मुकदमों का बोझ एवं न्यायाधीशों की कमी पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश की अदालतों में खूब भ्रष्टाचार है। कुछ समय पहले ही एक न्यायाधीश के निवास पर करोड़ों रुपए मिलने के बाद उन पर महाभियोग चलाने की बात भी उठी थी, लेकिन मामला ठंडे बस्ते में है। शायद इसीलिए इस पाठ में जवाबदेही के साथ महाभियोग प्रक्रिया का भी ज्ञान दिया गया है। लेकिन क्या इससे भी बदतर स्थिति कार्यपालिका और विधायिका में नहीं है? यदि इस पाठ में संविधान के इन स्तंभों को भी जोड़ दिया जाता तो शायद यह पहल निर्विवादित रहती। लेकिन ऐसा न करके एनसीईआरटी ने बेवजह एक नए विवाद को आमंत्रित कर दिया है। हालांकि वकीलों द्वारा आपत्ति जताए जाने और सर्वोच्च न्यायालय के संज्ञान में लिए जाने के बाद इस पुस्तक पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। न्यायपालिका ने इसे न्यायपालिका को सुनियोजित ढंग से बदनाम करने की साजिश माना है। न्यायालयों में पर्याप्त भ्रष्टाचार है, लेकिन बिना किसी साक्ष्य के उस पर बात करना उचित नहीं है। जहां तक न्यायालयों में लंबित मुकदमों और न्यायाधीशों की कमी की बात है तो अदालतें स्वयं ही आंकड़े प्रस्तुत करती रहती हैं। इन कमियों को सामने लाना न्यायपालिका की पारदर्शिता को दर्शाता है। लेकिन लगभग यही स्थिति देश की राजस्व न्यायालयों में भी है, जिन्हें आधारित नायाब तहसील, तहसील, एसडीएम, जिलाधिकारी और आयुक्त न्यायालय करते हैं। 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' अध्याय में उल्लेखित है कि 'न्यायाधीश आचार संहिता से बंधे होते हैं, जो उनके न्यायालय के भीतर और बाहर दोनों प्रकार के आचरण को नियंत्रित करती है।' पुस्तक में यह भी दर्ज है कि कई स्तरों पर भ्रष्टाचार के अनुभव देखने में आते हैं, जिससे गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को न्याय तक पहुंचने की उम्मीद प्रभावित होती है। परंतु यहां सवाल उठता है कि राजस्व न्यायालयों में यह स्थिति और भी ज्यादा खराब है। इनमें तो भूमि स्वामी का नाम बदल दिया जाता है। जब मामला सामने आता है तो उसे कंप्यूटर की भूल बता दिया जाता है। विधायिका में तो कई सांसद और विधायक सदन में सवाल पूछने की रिश्वत लेते हुए समाचार चैनलों द्वारा रंगे हाथ पकड़े गए हैं। ऐसे में यदि

कार्यपालिका और विधायिका को भी इस पाठ में सम्मिलित कर दिया जाता तो विद्यार्थियों को यह पता चलता कि लोकतंत्र के तीनों स्तंभ भ्रष्टाचार से किस हद तक प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल को मीडिया मंच एक्स पर कहने का मौका मिल गया कि इस पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़े भाग की आलोचना की गई है। उन्होंने सवाल उठाया है कि जब न्यायपालिका पर चर्चा की जा रही है, तो कार्यपालिका और विधायिका में समान रूप से व्याप्त भ्रष्टाचार पर बात क्यों नहीं की गई? उन्होंने यहां तक कहा कि पुस्तक में राजनेताओं, मंत्रियों, लोक सेवकों और जांच एजेंसियों में कथित भ्रष्टाचार पर कोई चर्चा नहीं की गई है। हमारे संविधान में न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की शक्तियों और क्षेत्राधिकार के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था है। अपने-अपने कर्तव्यों का पालन करते समय ये संस्थाएं लक्ष्मण रेखा की मर्यादा को ध्यान में रखें तो न्यायालयों में बोझ घटने की उम्मीद बढ़ जाएगी। आज न्यायपालिका में मुकदमों का ढेर लगा है, उसके लिए जिम्मेदार प्रमुख प्राधिकरणों द्वारा अपना काम ठीक से नहीं किया जाना है। इसलिए सबसे बड़ी मुकदमेबाज राज्य सरकारें हैं। न्यायालयों में 66 प्रतिशत मामले राजस्व विभाग से संबंधित हैं। राजस्व न्यायालय एक तो भूमि संबंधी प्रकारणों का निराकरण नहीं करती हैं, दूसरे न्यायालय निराकरण कर भी देती हैं तो उस पर वर्षों अमल नहीं होता है। नतीजतन अवमानना के मुकदमों का बढ़ना भी एक नई श्रेणी बना रहा है। अदालत का आदेश होने के बावजूद उसका क्रियान्वयन नहीं करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। तहसीलदार यदि भूमि के नामांतरण और बंटवारे समय पर कर दें तो किसान अदालत क्यों जाएगा? यदि नगर निगम, नगरपालिकाएं और ग्राम पंचायत ठीक से अपना काम करें तो नागरिक न्यायालय का रुख क्यों करेगा? यदि राजस्व विभाग परियोजनाओं के लिए जमीन का अधिग्रहण विधि-सम्भव करें तो लोग अदालत के दरवाजे पर दस्तक क्यों देंगे? गौरतलब है कि जब राजस्व विभाग के अधिकारी भी संवैधानिक पदाधिकारी हैं, तो फिर वे अपने कर्तव्य का पालन अपने क्षेत्राधिकार में क्यों नहीं करते? वास्तव में इन तीनों स्तंभों को समन्वय के साथ दायित्व पालन करते हुए राष्ट्र की लोकतांत्रिक नींव मजबूत बनाए रखने की जरूरत है। अतः यदि पाठ में तीनों स्तंभों की कमजोरियों को शामिल किया जाता तो विद्यार्थियों को सम्यक और व्यापक ज्ञान प्राप्त होता। अदालतों में मुकदमों की संख्या बढ़ाने में राज्य सरकारें निश्चित रूप से जिम्मेदार हैं। वेतन बढ़ोतरी को लेकर अनेक मामले ऊपर की अदालतों में विचाराधीन हैं। इनमें से अनेक तो ऐसे प्रकरण हैं, जिनमें सरकारें आदर्श व पारदर्शी नियोक्ता की शर्तें पूरी नहीं करतीं हैं। नतीजतन जो वास्तविक हकदार हैं, उन्हें अदालत की शरण में जाना पड़ता है। कई कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद भी बकाए के भुगतान के लिए अदालतों में जाते हैं। जबकि इन मामलों को कार्यपालिका अपने स्तर पर निपटा सकती है। हालांकि कर्मचारियों से जुड़े मामलों का सीधा संबंध विचाराधीन कैदियों की संख्या बढ़ाने से नहीं है, लेकिन अदालतों में प्रकरणों की संख्या और काम का बोझ बढ़ाने का काम तो ये मामले करते ही हैं। इसी तरह पंचायत पदाधिकारियों और राजस्व मामलों का निराकरण राजस्व न्यायालयों में न होने के कारण न्यायालयों में प्रकरणों की संख्या बढ़ रही है। जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा और बिजली बिलों का विभाग स्तर पर नहीं निपटना भी अदालतों पर बोझ बढ़ा रहे हैं। कई प्रांतों के भू-राजस्व कानून विसंगतिपूर्ण हैं। इनमें नाजायज कब्जे को वैध ठहराने के उपाय हैं। जबकि जिस व्यक्ति के पास दस्तावेजी साक्ष्य हैं, वह भटकता रहता है। इन विसंगतिपूर्ण धाराओं का विलोपन करके अवैध कब्जों से संबंधित मामलों से निजात पाई जा सकती है। लेकिन नौकरशाही ऐसे कानूनों का वजूद बनाए रखना चाहती है, क्योंकि इनके बने रहने पर ही इनका रौब-रुतबा और पौ-बारह सुनिश्चित हैं। अलबत्ता आज भी ब्रिटिश परंपरा के अनुसार अनेक न्यायाधीश ग्रीष्म ऋतु में छुट्टियों पर चले जाते हैं। सरकारी नौकरियों में जब से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान हुआ है, तब से हर विभाग में महिलाओं की संख्या बढ़ी है। इन महिलाओं को 26 माह के प्रसूति अवकाश के साथ दो बच्चों की 18 साल की उम्र तक के लिए दो वर्षीय 'बाल सुरक्षा अवकाश' भी दिया जाता है। अदालत से लेकर अन्य सरकारी विभागों में मामलों के लंबित होने में ये अवकाश एक बड़ा कारण बन रहे हैं। इधर कुछ समय से लोगों के मन में यह भ्रम भी पैठ कर गया है कि न्यायपालिका से डंडा चलवाकर विधायिका और कार्यपालिका से छोटे से छोटा काम भी कराया जा सकता है। इस कारण न्यायालयों में जनहित याचिकाएं बढ़ रही हैं, जो न्यायालय के बुनियादी कामों को प्रभावित कर रही हैं। जबकि प्रदूषण, यातायात, पर्यावरण और पानी जैसे मुद्दों पर अदालतों के दखल के बावजूद इन क्षेत्रों में बेहतर स्थिति नहीं बनी है। सरकारी नौकरी में आर्थिक सुरक्षा और प्रतिष्ठा निर्मित हो जाने से बौद्धिक योग्यता और पद प्रतिष्ठा की एक नई संस्कृति पनपी है। यदि कोई युवक या युवती सिविल जज बन जाता है, तो वे सिविल जज से ही शादी करने लग जाते हैं। शादी के बाद दंपति की अलग-अलग जगह पदस्थापना इन्हें मिलने में रुकावट बनती है, अतः ये लोग किसी न किसी बहाने छुट्टी लेकर एक-दूसरे से मिलने चले जाते हैं।

देश | दुनीया से

रंग जो दिलों तक उतर जाएँ

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में होली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और मानवीय संबंधों का जीवंत उत्सव है। यह वह अवसर है जब रंगों के बहाने मन के भीतर जमी धूल को झाड़ने, रिश्तों में आई दरारों को भरने और जीवन में नई ऊर्जा भरने का अवसर मिलता है। होली हमें याद दिलाती है कि जीवन की असली खूबसूरती बाहरी रंगों में नहीं, बल्कि भीतर की भावनाओं में छिपी होती है। आज का समय तेज रफ्तार, प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का है। परिवार साथ रहते हुए भी दूर होते जा रहे हैं। संवाद की जगह औपचारिक संदेशों ने ले ली है और संवेदनाओं की जगह तर्क ने। छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव, अहंकार और गलतफहमियाँ रिश्तों के बीच दीवार खड़ी कर देती हैं। ऐसे में होली एक अवसर बनकर आती है—इन दीवारों को गिराने और अपनत्व के पुल बनाने का। होली का वास्तविक संदेश क्षमा, स्वीकार और समानता में निहित है। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो यह प्रतीक होता है कि हम भेदभाव, कटुता और दूरी को पीछे छोड़ रहे हैं। रंगों की यह परंपरा हमें सिखाती है कि जीवन में विविधता ही सुंदरता है। अलग-अलग स्वभाव, विचार और संस्कृतियाँ मिलकर ही समाज को समृद्ध बनाती हैं। यदि हम इन विविधताओं को स्वीकार कर लें, तो अधिकांश विवाद स्वयं समाप्त हो सकते हैं। मनमुटाव अक्सर संवाद की कमी से जन्म लेते हैं। हम अपनी बात कहने में देर कर देते हैं और दूसरे की बात सुनने का धैर्य खो बैठते हैं। त्योहार संवाद का स्वाभाविक अवसर प्रदान करते हैं। परिवार और मित्र जब एक साथ बैठते हैं, तो दिल की बातें खुलकर सामने आती हैं। एक सच्ची मुस्कान और एक आत्मीय आलिंगन वर्षों की दूरी को मिटा सकता है। होली हमें यही सहजता और खुलेपन का पाठ पढ़ाती है। डिजिटल युग में जुड़ाव का स्वरूप बदला है। सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं की भरमार होती है, लेकिन वास्तविक मिलन कम होता जा रहा है। होली हमें स्क्रीन से बाहर निकलकर वास्तविक संबंधों को प्राथमिकता देने की प्रेरणा देती है। रंगों से सना चेहरा और हँसी से भरा वातावरण उस आत्मीयता को जन्म देता है, जिसे कोई आभासी माध्यम पूरी तरह नहीं दे सकता। परिवार के संदर्भ में होली का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह पीढ़ियों को जोड़ने का अवसर है। बच्चे जब अपने बड़ों को हँसते-खेलते देखते हैं, तो उनके भीतर भी अपनत्व और सहयोग की भावना विकसित होती है। बुजुर्गों के अनुभव और युवाओं का उत्साह मिलकर उत्सव को संपूर्ण बनाते हैं। होली का यह सामूहिक स्वरूप परिवार को मजबूत और जीवंत बनाता है। सामाजिक स्तर पर भी यह पर्व समरसता का संदेश देता है। जाति, वर्ग, भाषा या आर्थिक स्थिति की दीवारें रंगों के सामने फीकी पड़ जाती हैं। जब पूरा समाज एक साथ उत्सव मनाता है, तो आपसी अविश्वास कम होता है और सहयोग की भावना बढ़ती है। आज के समय में, जब समाज विभिन्न स्तरों पर विभाजन का सामना कर रहा है, होली जैसे पर्व सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का माध्यम बन सकते हैं। हालाँकि यह भी सच है कि समय के साथ त्योहारों में दिखावे और उपभोक्तावाद की प्रवृत्ति बढ़ी है। महंगे आयोजन, प्रदर्शन और सोशल मीडिया पर छवि निर्माण की होड़ ने त्योहारों की आत्मा को कहीं-कहीं आच्छादित कर दिया है। हमें यह समझना होगा कि होली का वास्तविक आनंद सादगी, आत्मीयता और सहभागिता में है। जब हम अपेक्षाओं और प्रतिस्पर्धा से मुक्त होकर उत्सव मनाते हैं, तभी उसकी सच्ची अनुभूति होती है। मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी होली का महत्व कम नहीं है। तनाव और चिंता से भरे जीवन में यह पर्व हमें खुलकर हँसने, गाने और आनंद लेने का अवसर देता है। सकारात्मक भावनाएँ मन को हल्का करती हैं और नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। जब हम गिले-शिकवे भुलाकर आगे बढ़ते हैं, तो भीतर एक शांति और संतोष का अनुभव होता है। होली आत्ममंथन का भी समय है। यह सोचने का अवसर है कि क्या हमने किसी को अनजाने में आहत किया है? क्या कोई ऐसा संबंध है जिसे हमने समय न देकर कमजोर होने दिया? यदि उत्तर हाँ है, तो यह पर्व सुधार का अवसर देता है। एक छोटी-सी पहल—एक फोन कॉल, एक मुलाकात या एक स्नेहिल संदेश—रिश्तों में नई जान फूंक सकता है। अंततः, होली हमें यह सिखाती है कि जीवन का असली रंग प्रेम और अपनत्व है। बाहरी रंग कुछ समय बाद फीके पड़ जाते हैं, लेकिन दिलों में भरे स्नेह के रंग स्थायी होते हैं। यदि हम इस त्योहार की भावना को अपने दैनिक जीवन में उतार लें, तो हर दिन एक उत्सव बन सकता है। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मनमुटाव को पीछे छोड़ेंगे, संवाद को मजबूत बनाएँगे और रिश्तों को प्राथमिकता देंगे।

कुछ | अलग

सच बोलना सबसे बड़ी तपस्या

सत्य ही सर्वस्व है। सत्य के बिना सदाचार, दान, कीर्ति, धन किसी काम के नहीं। जहां सत्य होगा, वहां ये सभी होंगे। सत्य परमात्मा है। सत्य प्रभु से भिन्न नहीं है। सत्य के द्वारा मनुष्य ईश्वर के निकट जा सकता है। जंगलों, पहाड़ों और वीराने में एकांतवास करना तपस्या नहीं है। जीवन में सच बोलना और सच की राह पर चलना ही सबसे बड़ी तपस्या है। धर्म के चार पद हैं- सत्य, तप, दया और पवित्रता। इन चार चरणों में सत्य सर्वोपरि है। महाभारत में राजा सत्यदेव की कथा आती है। एक दिन राजा ने स्वप्न देखा कि चंचला लक्ष्मी उनके महल से कुछ समय पश्चात चली जाएगी। एक दिन सुबह जब सत्यदेव उठे, तो उन्होंने एक सुंदर स्त्री को घर से निकलते देखा। राजा ने आश्चर्य से उस स्त्री से पूछा, 'आप कौन हैं?' जवाब मिला, 'मेरा नाम लक्ष्मी है। अब मैं इस घर से जा रही हूं।' राजा ने कहा कि आप जा सकती हैं। लक्ष्मीजी चली गईं। उसके पीछे एक सुंदर पुरुष को बाहर जाते देखकर राजा ने पूछा, 'आप कौन हैं?' उत्तर मिला, 'मेरा नाम दान है। लक्ष्मी के जाने के बाद आप दान नहीं कर सकेंगे, इसलिए मैं आपका घर छोड़ कर जा रहा हूं।' राजा ने कहा कि आप भी जा सकते हैं। इसके बाद तीसरा सदाचार और चौथा यश, पुरुष के रूप में बाहर आए। राजा के पूछने पर लक्ष्मी तथा दान के साथ जाने की कहने पर राजा ने दोनों को जाने दिया। जब पांचवां पुरुष सत्य जाने लगा, तो राजा ने हाथ जोड़ विनयपूर्वक कहा, 'मैंने तो आपका कभी त्याग नहीं किया।

आप का | नजरीया

नए नेतृत्व की तलाश में मुस्लिम समाज

पूरा विपक्ष एक अंजान डर से भयभीत है, उसे समझ नहीं आ रहा है कि अगर उसका डर सच साबित हो गया तो उसकी राजनीति का क्या होगा। इस डर को देश ने तब देखा, जब संसद परिसर का एक वीडियो सामने आया। सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संसद परिसर में अपने साथियों से बात करते नजर आ रहे हैं। वो कहते हैं कि उसको यूपी में न आने दो, वो अगर आया तो वो खत्म हो जाएगा क्योंकि वो नेशनल पार्टी नहीं है लेकिन वो हमें भी खत्म कर देगा। वो असदुद्दीन ओवैसी ओवैसी के बारे में बोल रहे थे। ये बात वो अपने साथियों के साथ कर रहे थे लेकिन कैमरे पर पकड़े गए। सवाल यह है कि कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी का नेता एआईएमएएम जैसी छोटी सी पार्टी से क्यों डरा हुआ है। सच तो यह है कि यूपी में कांग्रेस के पास भी कुछ बचा नहीं है जिसे ओवैसी खत्म कर देंगे। वास्तव में उत्तरप्रदेश में कांग्रेस पूरी तरह से समाजवादी पार्टी के रहमो करम पर जिंदा है। समाजवादी पार्टी भी एक अंजान डर से जूझ रही है। उसे पता है कि कांग्रेस के पास ऐसा कुछ नहीं है कि उससे गठबंधन करने से कुछ फायदा हो। वास्तव में समाजवादी पार्टी को डर है कि अगर कांग्रेस अलग चुनाव लड़ती है तो मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव हो सकता है। समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन उसके मुस्लिम-यादव वोट बैंक पर टिका हुआ है. इसमें थोड़ा सा भी परिवर्तन उसके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। इसकी कोई गारंटी नहीं है कि कांग्रेस के अलग चुनाव लड़ने से मुस्लिम वोट बैंक का कुछ हिस्सा उसके खाते में जा सकता है। इसके बावजूद समाजवादी पार्टी अपने डर से बाहर नहीं निकल पा रही है। इसका बड़ा फायदा कांग्रेस को मिल रहा है। असदुद्दीन ओवैसी ने देश के हर हिस्से में जाकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। जहां भी मुस्लिम समाज चुनाव परिणाम बदलने की हैसियत रखता है, वहां ओवैसी जरूर चुनाव लड़ते हैं। उत्तरप्रदेश की कई विधानसभा सीटों पर मुस्लिम समाज जीत और हार तय करता है, इसलिए ओवैसी का वहां जाना तय है। इसी बात का डर कांग्रेस अध्यक्ष को सता रहा है। वास्तव में मुस्लिम समाज धीरे-धीरे सेक्युलर राजनीति करने वाले राजनीतिक दलों से दूर होता जा रहा है। मुस्लिम समुदाय की राजनीतिक सोच यह है कि जो भी दल और उम्मीदवार भाजपा को हरा सकता है, उसको वोट दिया जाए। पिछले कुछ समय से जहां भी भाजपा और विपक्ष का मुकाबला होता है, वहां मुस्लिम वोटों में जबरदस्त ध्रुवीकरण देखने को मिलता है। पहले इस ध्रुवीकरण का फायदा विपक्ष को जबरदस्त तरीके से मिलता था और भाजपा को नुकसान होता था। 2014 के बाद भारतीय राजनीति पूरी तरह से बदल गई है। अब मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण की प्रतिक्रिया में हिन्दू वोटों का भी ध्रुवीकरण होने लगा है। धीरे-धीरे देश में हिन्दू वोट बैंक तैयार हो गया है और अब इतना ताकतवर हो गया है कि मुस्लिम वोट बैंक बेअसर होता जा रहा है। मुस्लिम समाज देख रहा है कि उसके एकमुश्त वोट देने के बावजूद विपक्षी दल भाजपा को रोक नहीं पा रहे हैं। विपक्षी दलों की बढ़ती चुनावी असफलता से मुस्लिम समाज में निराशा छाती जा रही है।भारत यात्रा गाइड ऐसा लगता है कि मुस्लिम समाज ने तय कर लिया है कि जब तथाकथित सेक्युलर दल भाजपा को हराने की क्षमता खो चुके हैं तो उन्हें नया नेतृत्व ढूंढना चाहिए। अब ऐसा लगता है कि उन्होंने नए नेतृत्व के लिए मुस्लिम समाज में ही खोज शुरू कर दी है। वर्तमान राजनीति में मुस्लिम समाज के लिए मुस्लिम नेतृत्व की तलाश असदुद्दीन ओवैसी पर जाकर खत्म हो रही है। विपक्षी दल औवेसी की पार्टी को भाजपा की 'बी टीम' का तमगा देकर मजाक उड़ाते रहे हैं लेकिन अब उनका विमर्श खत्म होता दिखाई दे रहा है। बिहार और महाराष्ट्र ने दिखा दिया है कि धीरे-धीरे ओवैसी मुस्लिम समाज में अपनी जगह बना रहे हैं। उनकी पार्टी को हैदराबाद तक सीमित बताया जाता था, लेकिन अब वो पूरे देश की पार्टी बनने की ओर चल पड़ी है। बेशक राजनीतिक रूप से यह पार्टी मजबूत दिखाई न दे रही हो लेकिन मुस्लिम वोटों को देखते हुए इसकी ताकत में लगातार इजाफा हो रहा है। इसकी बढ़ती ताकत ने ही विपक्षी दलों में हड़कंप पैदा किया हुआ है। मुस्लिम वोटों में बिखराव पूरे विपक्ष के लिए चिंता का विषय है। आज़ादी के बाद से ही मुस्लिम वोट बैंक पर कांग्रेस का एकाधिकार रहा है लेकिन 1990 के बाद इस वोट बैंक के कई दावेदार पैदा हो गए। यूपीए के शासन में कांग्रेस का अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन था, इसलिए इस वोट बैंक में बिखराव नजर नहीं आ रहा था लेकिन भाजपा की बढ़ती ताकत ने इसे सामने ला दिया है।

सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संसद परिसर में अपने साथियों से बात करते नजर आ रहे हैं। वो कहते हैं कि उसको यूपी में न आने दो, वो अगर आया तो वो खत्म हो जाएगा क्योंकि वो नेशनल पार्टी नहीं है लेकिन वो हमें भी खत्म कर देगा। वो असदुद्दीन ओवैसी ओवैसी के बारे में बोल रहे थे। ये बात वो अपने साथियों के साथ कर रहे थे लेकिन कैमरे पर पकड़े गए। सवाल यह है कि कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी का नेता एआईएमएएम जैसी छोटी सी पार्टी से क्यों डरा हुआ है। सच तो यह है कि यूपी में कांग्रेस के पास भी कुछ बचा नहीं है जिसे ओवैसी खत्म कर देंगे। वास्तव में उत्तरप्रदेश में कांग्रेस पूरी तरह से समाजवादी पार्टी के रहमो करम पर जिंदा है। समाजवादी पार्टी भी एक अंजान डर से जूझ रही है। उसे पता है कि कांग्रेस के पास ऐसा कुछ नहीं है कि उससे गठबंधन करने से कुछ फायदा हो। वास्तव में समाजवादी पार्टी को डर है कि अगर कांग्रेस अलग चुनाव लड़ती है तो मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव हो सकता है।

दृष्टि | कोण

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चाः सत्य का आईना या संस्था की गरिमा पर प्रहार ?

न्यायपालिका भारत के लोकतंत्र का संरक्षक स्तंभ है, जो संविधान की रक्षा करता है और नागरिकों को न्याय का आश्वासन देता है। लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की सोशल साइंस किताब पर सख्त रुख अपनाते हुए छपाई, वितरण और वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। किताब के 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' अध्याय मे 'न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार', लंबित मामलों की भारी संख्या, जजों की कमी और पूर्व सीजेआई बी.आर. गवई के बयानों का उल्लेख था। सीजेआई सूर्यकांत ने इसे न्यायपालिका को बदनाम करने की 'गहरी और सोची-समझी साजिश' करार दिया तथा शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। विवादित अध्याय के लेखकों की पहचान, उनकी योग्यता और सिलेबस फ्रेमिंग बैठकों की कार्यवाही प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। यह घटना न केवल शिक्षा नीति पर सवाल उठाती है, बल्कि संस्थागत गरिमा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भ्रष्टाचार पर खुली चर्चा के बीच संतुलन की बहस को जन्म देती है। क्या स्कूली पाठ्यक्रम में ऐसी चर्चा गलत है? या यह समाज को सतर्क करने का माध्यम है? भारतीय संविधान अनुच्छेद 19(एक) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन अनुच्छेद 19(दो) में उचित प्रतिबंध भी हैं, जिनमें न्यायालय की अवमानना शामिल है। सुप्रीम कोर्ट का कदम अवमानना अधिनियम 1971 के दायरे में आता है, जहां न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री दंडनीय है। कोर्ट ने तर्क दिया कि अध्याय चुनिंदीय (सेलेक्टिव) था—न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार का उल्लेख तो प्रमुख था, लेकिन विधायिका या कार्यपालिका पर ऐसा कोई जिक्र नहीं। लंबित मामलों को 'मैसिव बैकलॉग' कहना और जजों की कमी को चुनौती के रूप में पेश करना संस्था को कमजोर दिखाता है। पूर्व सीजेआई गवई के बयान का संदर्भ बिना पूर्ण संदर्भ के लिया गया, जो भ्रामक था। कोर्ट ने इसे

'डीप-रूटेड कांस्पिरेसी' कहा, जो संकेत देता है कि यह केवल शैक्षणिक चूक नहीं, बल्कि सुनियोजित प्रयास हो सकता है। एनसीईआरटी द्वारा हाल में संशोधित पाठ्यक्रम में ऐसी सामग्री शामिल करना शिक्षा मंत्रालय की लापरवाही दर्शाता है। सिलेबस एक्सपर्ट कमिटी की बैठकों में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठे हैं—क्या लेखक राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित थे? कोर्ट ने गहन जांच का भरोसा दिलाया है, जो स्वागतयोग्य है। भ्रष्टाचार पर चर्चा लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार, भारत का करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2025 में 40/100 रहा, जो न्यायपालिका सहित संस्थाओं की चुनौतियों को रेखांकित करता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं ब्रह्मावर्त हॉस्टल मामले या मेडिकल एडमिशन घोटालों में भ्रष्टाचार पर तीखी टिप्पणियां की हैं। जस्टिस जे.एस. वर्मा ने कहा था कि 'ज्यूडिशियरी में भ्रष्टाचार का एक मामला भी पूरी संस्था को दागदार बनाता है।' लेकिन स्कूली किताब में इसे सामान्यीकृत कर पेश करना उचित नहीं। बच्चे 13-14 वर्ष के होते हैं—उन्हें तथ्यपरक ज्ञान दें, न कि पूर्वाग्रहपूर्ण दृष्टिकोण। अध्याय जवाबदेही, शक्तियों के पृथक्करण और सुधारों (जैसे फास्ट-ट्रैक कोर्ट, जजों की भर्ती) पर केंद्रित होता तो उपयोगी होता। वर्तमान रूप में यह नकारात्मकता बोता है, जो युवा पीढ़ी में न्यायपालिका के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां पंचायती राज मजबूत है, स्थानीय न्याय व्यवस्था पहले से जूझ रही है—ऐसी सामग्री से ग्रामीण बच्चे हतोत्साहित होंगे।

मुख्यमंत्री विकास का पिटारा खोलेंगे 29 मार्च धन्यवाद रैली में : डॉ. अरविंद शर्मा

बूथ कार्यकर्ताओं की तपस्या से गोहाना में खिला कमल पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन कर पुष्प वर्षा की

सोनीपत (हिंस)। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि 29 मार्च को गोहाना विधानसभा क्षेत्र में धन्यवाद रैली आयोजित की जाएगी। इस रैली में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचेंगे और क्षेत्र के लिए विकास कार्यों की घोषणाएं करेंगे। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में हो रही अन्य धन्यवाद रैलियों की तुलना में गोहाना की रैली रिकार्डतोड़ रहेगी। गोहाना स्थित दीपांशी गार्डन में आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में मंत्री ने रविवार को विधानसभा चुनाव के दौरान बूथ स्तर पर सक्रिय रहे बूथ एजेंटों, जिला व विधानसभा पदाधिकारियों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं पर पुष्पवर्षा कर सम्मान व्यक्त किया गया और सभी को होली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दी गईं। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बूथों की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सतत मेहनत के कारण ही गोहाना विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली। संगठन की असली शक्ति जमीनी स्तर के कार्यकर्ता होते हैं, जो हर परिस्थिति में डटे रहते हैं। ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान करना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि गांवों और शहरी वार्डों में होने वाले प्रत्येक विकास कार्य में कार्यकर्ताओं की राय को महत्व दिया जाएगा, ताकि योजनाएं जन आवश्यकताओं के अनुरूप बन सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गोहाना क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। नगर परिषद सहित 62 गांवों के विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री से लगातार चर्चा की जा रही है, जिससे संतुलित व तेज गति से विकास सुनिश्चित हो सके। मंत्री ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि 29 मार्च की रैली को ऐतिहासिक बनाया जाए और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को पारदर्शी व निष्पक्ष प्रक्रिया से रोजगार मिल रहा है तथा योग्यता के आधार पर नौकरियां दिए जाने से व्यवस्था में विश्वास बढ़ा है।

प्रोजेक्ट मिलन की पहल रंग लाई, काउंसिलिंग से छह बिछड़े दंपति फिर हुए एक

मीरजापुर (हिंस)। पारिवारिक रिश्तों में आई दूरियों को पाटने की दिशा में पुलिस का *प्रोजेक्ट मिलन* असरदार साबित हो रहा है। रविवार को परिवार परामर्श केंद्र ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंसिलिंग के जरिए छह बिछड़े दंपतियों को फिर से साथ रहने के लिए राजी कर लिया। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए दंपतियों की समस्याएं सुनी गईं। पारिवारिक विवाद, आपसी मतभेद और गलतफहमियों के कारण अलग रह रहे पति-पत्नी को समझाइश, संवाद और परामर्श के माध्यम से एक-दूसरे के प्रति विश्वास बहाल करने का प्रयास किया गया। घंटों चली काउंसिलिंग के बाद सभी छह दंपतियों ने नई शुरुआत करने की सहमति जताई। परिजनों के चेहरे पर आई मुस्कान और साथ रहने का संकल्प इस पहल की सार्थकता बयां कर गया।

हिंदू जगेगा तो पूरा विश्व जगेगा : दयानंद सरस्वती

विराट हिंदू सम्मेलन में हिंदुत्व जागरण का संदेश

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत जिले के शहजादपुर गांव में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्म और अध्यात्म के प्रख्यात विद्वान दयानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि समाज में हिंदुत्व का जागरण आवश्यक है। उन्होंने जाति-पाति के भेदभाव को भुलाकर सामाजिक समरसता पर जोर दिया। उनका संदेश था हिंदू जगेगा तो पूरा विश्व जगेगा। उन्होंने अपनी संस्कृति, राष्ट्र और देश के प्रति समर्पण की अपील की। यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। सोनीपत जिले में 103 स्थानों पर ऐसे सम्मेलन हो रहे हैं। रमेश बजाज ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को संगठित करना है। बिना किसी जाति, ऊंच-नीच के भेदभाव के सभी एक हैं और गर्व से हिंदू हैं। इसका लक्ष्य समाज, धर्म और देश की उन्नति के लिए कार्य करना है। नौजवानों ने पैदल पदयात्रा निकालकर श्रद्धा-भक्ति और देशभक्ति का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक नीरज ठरू ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू एक है, एक था और एक ही रहेगा। हिंदुत्व हमारी जान है और खून में बसता है। उन्होंने राम और कृष्ण के आदर्शों का जिक्र करते हुए मर्यादा, सत्य और भारतीय सभ्यता की रक्षा की बात कही। युवाओं को राजनीति और धर्म के समन्वय के साथ देश के निर्माण में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के संदेश को दोहराया बंटोगे तो कटोगे, साथ रहोगे तो बढ़ोगे। पूरा कार्यक्रम हिंदू एकता, देशभक्ति और सकारात्मकता के संदेश से भरा रहा। हजारों लोग शामिल हुए और जय श्री राम के उद्घोष से माहौल गूंज उठा। यह सम्मेलन हिंदुत्व के प्रति नई पीढ़ी में जोश और एकजुटता जगाने में सफल रहा।

57 करोड़ के बिजली बिल बकाया पर सात हजार से अधिक उपभोक्ताओं का कनेक्शन कटा, 202 पर एफआईआर

अररिया (हिंस)। बिहार सरकार के बिजली बिल पर रियायत के बावजूद जिले में बिजली बकायेदारों द्वारा बकाया का भुगतान नहीं किया जा रहा है जिसको लेकर बिजली विभाग ने अब सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। लंबे समय से भुगतान नहीं करने वाले बड़े बकायेदारों के खिलाफ विभाग सर्टिफिकेट केस कर रहा है तो छोटे बकायेदारों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। 146 डिफॉल्टर उपभोक्ताओं पर सर्टिफिकेट केस किया गया है तो 27 उपभोक्ताओं को लीगल नोटिस जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार जिले में 20,950 ऐसे उपभोक्ता हैं जिन पर 20 हजार रुपए से अधिक बकाया है। बड़े डिफॉल्टरों पर विभाग का कुल 57 करोड़ 21 लाख रुपए बकाया है। अररिया अवर प्रमंडल में 14,799 उपभोक्ताओं पर 40 करोड़ 20 लाख रुपए और फारबिसगंज अवर प्रमंडल में 6,151 उपभोक्ताओं पर 17 करोड़ 01 लाख रुपए बकाया है। हालांकि जनवरी और फरवरी में करीब 3 करोड़ 79 लाख रुपए की वसूली की गई है, फिर भी बकाया राशि 57 करोड़ से अधिक बनी हुई है। अररिया प्रमंडल में 4655 कनेक्शन कटे। विशेष अभियान में फरवरी माह में ही जिले भर में 7,232 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए। अररिया प्रमंडल में 4,655 कनेक्शन काटे गए, जबकि 138 लोगों पर बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज हुई। वहीं फारबिसगंज प्रमंडल में 2,577 कनेक्शन काटे गए और 74 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई गई।

भविष्य में किसानों के लिए डैथ वारंट साबित होगा अमेरिका व्यापार समझौता : डल्लेवाल

जींद (हिंस)। भारतीय किसान एकता (सिद्धपुर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि कि भविष्य में किसानों के लिए डैथ वारंट साबित होने जा रहे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को रद्द करवाने के लिए पूरे देश के किसानों को एकजुट होना पड़ेगा। देश के किसानों पर 25 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। यदि किसानों को उनकी फसलों के वाजिब दाम मिलते तो उनके पास लगभग 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत होती। जिससे किसान अपनीपारिवारिक जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकते थे। व्यापार समझौते के कारण भारतीय किसानों की फसलों की खरीद बंद होने की संभावना को टालने के लिए एक बड़े संघर्ष के लिए एकजुट होने की जरूरत है। डल्लेवाल रविवार को जाट धर्मशाला में किसानों को संबोधित कर रहे थे। किसान जागृति यात्रा नेतृत्व कर रहे जगजीत सिंह डल्लेवाल का किसानों ने फूलमालाओ से स्वागत किया और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि 19 मार्च को दिल्ली रामलीला ग्राउंड में एक बड़ी किसान महापंचायत होगी। जिसमें देशभर के किसान अपनी मांगों के समर्थन में इक्कठे होंगे। सरकार को किसानों की मांगों को मानना होगा और एमएसपी गारंटी कानून को लागू करना होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 25 वर्षों के दौरान देश के किसानों की फसल सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दामों पर खरीदे जाने के कारण उन्हें 111 लाख करोड़ रुपए से अधिक का आर्थिक नुक्सान हुआ है। किसानों के साथ झूठी हमदर्दी दिखा कर किसानों के वोट बटोरने का काम करती रही हैं। एमएसपी गारंटी कानून लागू करवा कर किसानों की लूट को रोकना होगा। भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि भारत के किसान सभी फसलों का उचित मूल्य देने के लिए लंबे समय से एमएसपी गारंटी कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ केंद्र सरकार 80 लाख रुपए तक की सालाना सब्सिडी प्राप्त करने वाले अमेरिका के किसानों की उपज भारत में बिकवाने के लिए अमेरिका की सरकार से समझौता कर चुकी है। जागृति यात्रा गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित करने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रही है। जिसके बाद यात्रा नारनौंद लिए रवाना हो गई।

राजीव जोशी पत्रकार गौरव अवार्ड से अलंकृत

ॅबीकानेर (हिंस)। बीकानेर प्रेस क्लब का होली स्नेह मिलन समारोह रविवार को पाणिग्रहण होटल में आयोजित किया गया। क्लब के अध्यक्ष कुशाल सिंह मेड़तिया ने बताया कि समारोह के अतिथि बीकानेर पश्चिम से भाजपा विधायक जेठानंद व्यास, खाजूवाला से भाजपा विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, शिक्षाविद् सुरेंद्र कुमार डागा *अर्हम,* रविंद्र सहित अनेक मौजूद थे। क्लब के महासचिव विशाल स्वामी और कोषाध्यक्ष गिरिराज भादाणी सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकार संतोष जैन, क्लब के पूर्व अध्यक्ष भवानी जोशी, दीपचंद सांखला सहित अनेक कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में पत्रकारिता में उत्कृष्ट, निष्पक्ष व साहसिक योगदान के लिए *हिंदुस्थान समाचार* के बीकानेर के संवाददाता राजीव जोशी को पत्रकार गौरव अवार्ड से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र हर्ष ने किया। इस दौरान विधायकों ने फाल्गुनी गीतों पर जमकर नृत्य और गायन किया।

भारतीय सेना में शामिल होने के लिए पंजीकरण विंडो एक अप्रैल तक खुली

जयपुर (हिंस)। भारतीय सेना में शामिल होने के लिए पंजीकरण विंडो 01 अप्रैल 2026 तक खुली है। भारतीय सेना में जेसीओ/ओआर रैंक के लिए धार्मिक शिक्षक जूनियर कमीशन अधिकारी, हवालदार शिक्षा, सिपाही फार्मा, सैनिक तकनीकी (नर्सिंग अस्सिस्टेंट / नर्सिंग अस्सिस्टेंट वेटनरी), अग्निवीर (सामान्य ड्यूटी), अग्निवीर (तकनीकी), अग्निवीर (लिपिक/स्टोर कीपर तकनीकी), अग्निवर ट्रेडसमैन (10वी पास), अग्निवर ट्रेडसमैन (8वी पास) और अग्निवीर सामान्य ड्यूटी (महिला सेना पुलिस) की श्रेणियों के लिए अधिसूचना जारी किया है। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) ले कर्नल निखिल धवन के अनुसार राजस्थान राज्य के रहने वाले उम्मेदवार 01 अप्रैल 2026 तक ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट के माध्यम से वांछित श्रेणियों के लिए आवेदन कर सकेंगे।

यूजीसी विनियम-2026 के विरोध में उग्र प्रदर्शन, हाईवे जाम का प्रयास

दौसा (हिंस)। यूजीसी विनियम-2026 के विरोध में बुधवार को दौसा जिला मुख्यालय पर बड़ी संख्या में युवाओं ने आक्रोश रैली निकालकर प्रदर्शन किया। सिर पर काली पट्टियां बांधे प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के विरोध में नारेबाजी की, भाजपा के झंडे जलाए और नेताओं के पुतले फूंके। रैली के दौरान कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति भी बन गई। सहजनाथ महादेव मंदिर से आक्रोश रैली की शुरुआत हुई। हाथों में विरोधी नारे लिखी तख्तियां लिए युवा *यूजीसी रोल बैक* के नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट की ओर बढ़े। भीड़ को देखते हुए डिप्टी एसपी धर्मेंद्र शर्मा के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कलेक्ट्रेट गेट सहित विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई। रैली जब गांधी तिराहा पहुंची तो कुछ युवाओं ने भाजपा के 16 नेताओं के पुतले दहन किए। इस दौरान भाजपा के झंडों में भी आग लगाई गई और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए। पुलिस ने मौके पर स्थिति पर नजर बनाए रखी। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर प्रदर्शनकारियों को गेट पर ही रोक दिया गया। इसी बीच कुछ युवक जयपुर-आगरा नेशनल हाइवे की ओर बढ़ने लगे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, जिससे धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। कुछ प्रदर्शनकारी हाईवे तक पहुंच गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस बल ने उन्हें खदेड़कर ट्रैफिक सुचारू करवाया। इस दौरान पुलिस और युवाओं के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। करीब आधे घंटे तक नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन की समझाइश से मामला शांत हुआ। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि यूजीसी विनियम-2026 को वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। कलेक्ट्रेट के बाहर आयोजित सभा में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित नियमों से सामान्य वर्ग के छात्रों को परेशानी हो सकती है और शैक्षणिक संतुलन प्रभावित होगा। उनका कहना था कि नियमों को व्यापक चर्चा के बिना लागू किया गया है। अंत में प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम संजू मीणा को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। सभा को करणी सेवा की राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना, पूर्व मंत्री शैलेंद्र जोशी और ब्राह्मण समाज के बाबूलाल टीलावाला सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया।

बिहार में फैक्ट्री लगाने वालों में भगदड़ की स्थिति : सुदामा प्रसाद

भागलपुर (हिंस)। आरा के सांसद ओर भाकपा (माले) के नेता सुदामा प्रसाद ने भागलपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए राज्य की औद्योगिक स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने रविवार को कहा कि बिहार में फैक्ट्री लगाने वाले उद्यमियों के बीच *भगदड़ जैसी स्थिति* बन गई है और कई लोग निवेश करने के बाद अब पछता रहे हैं। सांसद ने उदाहरण देते हुए कहा कि आरा जिले के एक व्यवसायी ने इथनॉल फैक्ट्री स्थापित की थी, लेकिन वर्तमान नीतिगत हालात के कारण अब वे *माथा ठोकने* की स्थिति में हैं। उनका आरोप है कि सरकारी नीतियों में अस्थिरता और बाजार की अनिश्चितता के चलते उद्योगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। सुदामा प्रसाद ने यह भी कहा कि तेजी से बढ़ रहे ऑनलाइन खरीद-फरोख्त के कारण मध्यम स्तर के व्यापारी और छोटे कारोबारी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उनके अनुसार, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बड़ी कंपनियों का वर्चस्व बढ़ने से स्थानीय बाजारों में काम करने वाले व्यापारियों का व्यवसाय ठप होता जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार छोटे और मध्यम व्यापारियों की सुरक्षा के लिए ठोस नीति बनाए। सांसद ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि देश में कई मौकों पर लिए गए फैसलों से बाजार में असमंजस और भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतिगत फैसले बिना जमीनी तैयारी के लागू किए जा रहे हैं, जिसका खामियाजा उद्योग और व्यापार जगत को भुगतना पड़ रहा है। सुदामा प्रसाद ने कहा कि यदि बिहार में उद्योगों को बढ़ावा देना है तो सरकार को निवेशकों के लिए स्थिर और भरोसेमंद वातावरण तैयार करना होगा। साथ ही छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए विशेष पैकेज और नियामक सुधार की जरूरत है।

इजरायल में कार्यरत छह हजार यूपी के श्रमिक सुरक्षित सरकार सतत निगरानी में : मंत्री अनिल राजभर

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के श्रम, सेवायोजन एवं समन्वय मंत्री अनिल राजभर ने इजरायल में कार्यरत उत्तर प्रदेश के श्रमिकों एवं उनके परिवारों को आश्वस्त किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार सभी श्रमिकों की सुरक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उनकी सुरक्षा एवं कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग इजराइल स्थित भारतीय दूतावास एवं एनएसडीसी के साथ सतत संपर्क में है, ताकि इजरायल में कार्यरत छह हजार चार श्रमिकों की सुरक्षा, संरक्षा एवं कुशलक्षेम की कार्यवाही की जा सके। उत्तर प्रदेश शासन इजराइल स्थित भारतीय दूतावास के साथ सतत संपर्क में है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन, डॉ. एम. के. शन्मुगा सुन्दरम् ने इजराइल में भारत के राजदूत, जेपी सिंह से टेलीफोनिक वार्ता की गयी। राजदूत ने अवगत कराया कि स्थिति नियंत्रण में है। दूतावास श्रमिकों के संपर्क में है। वर्तमान में किसी प्रकार की चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि भारतीय दूतावास घटनाक्रम पर सतत निगरानी रखे हुए है और सभी भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा एवं कुशलक्षेम की कार्यवाही की जाएगी। प्रमुख सचिव ने इजरायल स्थित भारतीय दूतावास में तैनात प्रथम सचिव डॉ. गारिका तेजेश्वर से भी वार्ता की। डॉ. गारिका तेजेश्वर ने अवगत कराया कि स्थिति तनावपूर्ण अवश्य है, किंतु नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि इजरायल में अधिकांश भवनों में सुरक्षा शेल्टर (आश्रय स्थल) उपलब्ध हैं तथा सभी श्रमिकों को निर्देशित किया गया है कि वे भवनों के शेल्टर क्षेत्रों में ही रहें और संबंधित प्राधिकरणों द्वारा जारी निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें, जिससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पॉपुलेशन, इमिग्रेशन एंड बॉर्डर ऑथोरिटी (पिबा) ने हेल्पलाइन नंबर 1-700-707-889 जारी किया है। इसका संचालन सेंटर फॉर इंटरनेशनल माइग्रेशन एंड इंटीग्रेशन (सिमी) कर रहा है। किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा आपात स्थिति में भारतीय नागरिक, सहित श्रमिक, उक्त हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। इजराइल में वर्तमान में लगभग 42 हजार भारतीय नागरिक निवास कर रहे हैं। उनमें से 6,004 निर्माण श्रमिक उत्तर प्रदेश राज्य से संबंधित हैं। प्रदेश सरकार की ओर से रविवार को बताया गया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश के कुल छह हजार चार निर्माण श्रमिक इजरायल में विभिन्न निर्माण कंपनियों में कार्यरत हैं। ये श्रमिक राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) एवं इजराइल की सरकारी संस्था पीबा (पॉपुलेशन, इमिग्रेशन एंड बॉर्डर ऑथोरिटी) के माध्यम से चयनित होकर वर्ष 2024 के दौरान इजराइल भेजे गए थे। ये श्रमिक इजराइल की विभिन्न निर्माण कंपनियों और परियोजनाओं में कार्यरत हैं। नियमित रूप से अपने

श्रीराम जन्मोत्सव शोभायात्रा की तैयारी तेज, समितियों का हुआ गठन

मीरजापुर (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद की बैठक रविवार को जंगी रोड स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें श्रीराम जन्मोत्सव शोभायात्रा समिति के गठन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने यात्रा को भव्य, दिव्य और अनुशासित स्वरूप देने का संकल्प लिया। प्रांत उपाध्यक्ष व विभाग पालक सुरेश अग्रवाल ने कहा कि शोभायात्रा भगवान श्रीराम की मर्यादा के अनुरूप सुव्यवस्थित ढंग से निकले और समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बहनों का प्रतिनिधित्व और बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना आवश्यक है। विभाग मंत्री रामचंद्र शुक्ल ने अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न समितियों की घोषणा की और सभी पदाधिकारियों से यात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया। प्रांत उपाध्यक्ष विद्याभूषण ने इसे प्रदेश की *नंबर वन शोभायात्रा* बताते हुए नगरवासियों से इसे और अधिक भव्य बनाने की अपील की। जिलाध्यक्ष माता सहाय ने चैत्र प्रतिपदा से प्रारंभ हो रहे हिंदू नववर्ष को उत्साहपूर्वक मनाने और घरों पर ? अंकित ध्वज लगाने का आग्रह किया। पूर्व प्रांत संगठन मंत्री मनोज श्रीवास्तव ने प्रत्येक वार्ड में टोली बनाकर बैठकों के माध्यम से पूरे नगर को दुल्हन की तरह सजाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष राज माहेश्वरी ने की तथा संचालन महेश तिवारी ने किया। बैठक में अनेक पदाधिकारी व सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पटना विवि छात्र संघ चुनाव में एनएसयूआई की जीत पर कांग्रेस नेताओं ने दी बधाई

पटना (हिंस)। पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में सेंट्रल पैनल के दो महत्वपूर्ण पदों पर नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) समर्थित उम्मीदवारों की प्रचंड जीत पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने इसे राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की सामाजिक न्याय की विचारधारा की जीत बताया। एनएसयूआई समर्थित उम्मीदवार शांतनु शेखर यादव छात्रसंघ अध्यक्ष तथा खुशी कुमारी महासचिव पद पर निर्वाचित हुई हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दोनों विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों ने लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक न्याय के पक्ष में अपना स्पष्ट समर्थन दिया है। राजेश राम ने इस सफलता का श्रेय एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष जयशंकर प्रसाद उर्फ सूरज यादव, प्रदेश प्रभारी सत्यम कुशवाहा तथा संगठन से जुड़े सभी छात्र नेताओं को देते हुए कहा कि छात्र नेतृत्व ने संघर्ष का रास्ता अपनाकर यह जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बताए मार्ग पर चलते हुए छात्र नेताओं ने सामाजिक न्याय की आवाज को मजबूत किया है। वहीं कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने भी चुनाव परिणाम पर खुशी जताते हुए इसे दूरगामी प्रभाव वाला बताया। उन्होंने कहा कि पटना विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करते हुए सरकारी तंत्र की निरंकुशता के खिलाफ संदेश दिया है। छात्रसंघ चुनाव में मिली इस जीत पर विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ. मदन मोहन झा सहित प्रेमचन्द्र मिश्रा, राजेश राठौड़, कपिलदेव प्रसाद यादव, कुमार आशीष, असित नाथ तिवारी, डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, डॉ. शशि रंजन, शशांत शेखर, सौरभ कुमार एवं मनोरंजन कुमार ने भी अध्यक्ष शांतनु शेखर यादव और महासचिव खुशी कुमारी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

एसयूवी 2026 किआ सिरोस ईवी की टेस्टिंग जारी

नई दिल्ली

अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी 2026 किआ सिरोस ईवी को किआ मोटर्स लगातार टेस्ट कर रही है। हाल ही में यह पूरी तरह कैमोफ्लाज में स्पाई शाट्स में नजर आई। इसका मुकाबला भारतीय बाजार में टाटा नेक्सान ईवी और महिंद्रा एक्सयूवी 3गुणाह ईवी जैसी लोकप्रिय कारों से होगा। सब-4 मीटर सेगमेंट में आने वाला यह माडल कंपनी की ईवी रेंज को मजबूत करने वाला एक अहम प्रोडक्ट साबित हो सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को 2026 की दूसरी तिमाही में लान्च किया जा सकता है, जिसकी अनुमानित कीमत 14 से 20 लाख रुपये के बीच हो सकती है। यह माडल हयूदै इंसटेर ईवी से साझा किए गए के1 प्लेटफार्म पर आधारित होगा और फ्रंट-व्हील-ड्राइव सेटअप के साथ आएगा। स्पाई तस्वीरों में चार्जिंग पोर्ट, एयरो-आप्टिमाइज्ड अलाय व्हील्स, क्लोज्ड-आफ ग्रिल और रिवाइज्ड रियर बम्पर जैसे ईवी-स्पेसिफिक बदलाव साफ दिखाई दिए। डिजाइन आईसीई वर्जन जैसा ही है, जिसमें बाक्सी प्रोफाइल, वर्टिकल एलईडी हेडलाइट्स और एल-शेप डीआरएलएस देखने को मिलते हैं। अंदर की तरफ भी केबिन आईसीई माडल जैसा ही रहने की उम्मीद है, जिसमें डुअल 12.3-इंच स्क्रीन सेटअप, टच-बेस्ड एसी कंट्रोल, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जिंग और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे प्रीमियम फीचर्स मिल सकते हैं। ईवी वर्जन में अतिरिक्त तौर पर वी2एल, वी2वी और रिजनरेटिव ब्रेकिंग मोड्स जैसे फीचर्स भी शामिल किए जा सकते हैं।

भारत में सीएनजी कारों की मांग तेजी से बढ़ी

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल महंगे होने के बाद से भारत में सीएनजी कारों की मांग तेजी से बढ़ी है। फरवरी 2026 तक सीएनजी की औसत कीमत 77-80 रुपये प्रति किलो है, जो पेट्रोल की तुलना में काफी सस्ती पड़ती है। ऐसे में लोग कम बजट और ज्यादा माइलेज वाली सीएनजी कारों की ओर तेजी से शिफ्ट हो रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए देश की 5 सबसे सस्ती और ज्यादा माइलेज देने वाली फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी कारों की सूची सामने आई है। सबसे पहले मारुति सुजुकी सेलेरियो सीएनजी की बात करें तो यह भारत की सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली सीएनजी कार है, जिसका एआरएआई माइलेज 34.43 किमी/किलो है। 1.0रुइंजन वाली यह कार रुपए 5.97 लाख से शुरू होती है और शहर की ट्रैफिक के लिए बेहतरीन विकल्प है। मारुति सुजुकी वैगन आर सीएनजी भी परिवारों में बेहद लोकप्रिय विकल्प है, जो 34.05 किमी/किलो का माइलेज देती है। इसका टाल-बाय डिजाइन और प्रैक्टिकल केबिन इसे खास बनाता है। कम बजट में मारुति सुजुकी अल्टो के 10 सीएनजी सबसे किफायती कार है। 33.85 किमी/किलो माइलेज के साथ यह रुपए 4.81 लाख में उपलब्ध है और आसान ड्राइविंग के लिए जानी जाती है। काम्पैक्ट सेडान सेगमेंट में मारुति सुजुकी डिजायर सीएनजी 33.73 किमी/किलो माइलेज के साथ सबसे बेहतर विकल्प है, जिसकी कीमत रुपए 8.03 लाख से शुरू होती है और लंबी दूरी के लिए उपयुक्त है।

न्यूज़ ब्रीफ

वीओ चिदंबरनार बंदरगाह में 15,000 करोड़ निवेश करेगा, बनेगा दक्षिण भारत का बड़ा ट्रांसशिपमेंट केंद्र

तूतीकोरिन। वीओ चिदंबरनार (वीओसी) बंदरगाह, जो तमिलनाडु के तूतीकोरिन में स्थित है, अपनी आउटर हार्बर परियोजना के लिए 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश बंदरगाह की मौजूदा ढांचा उन्नयन और नई तकनीक में किए गए 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से अलग है। परियोजना का लक्ष्य बंदरगाह को दक्षिण भारत का प्रमुख ट्रांसशिपमेंट केंद्र बनाना और श्रीलंका, सिंगापुर और इंडोनेशिया जैसे अंतरराष्ट्रीय केंद्रों से प्रतिस्पर्धा करना है। वर्तमान में बंदरगाह की वार्षिक माल ढुलाई क्षमता 8.2 करोड़ टन है। आउटर हार्बर परियोजना के तहत दो चरणों में 2027 और 2030 तक क्षमता में 40 लाख टन की वृद्धि होगी। योजना के अनुसार, 18 मीटर गहराई वाले दो नए बर्थ विकसित किए जाएंगे, जिन पर 2.5 लाख डीवीटी तक के बड़े माल ढुलाई जहाज ठहर सकेंगे। परियोजना के लिए वित्तपोषण सुनिश्चित करने हेतु वीओसी बंदरगाह ने भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) और सागरमाला फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड के साथ त्रिपक्षीय करार किया है। यह कदम बंदरगाह को नए निवेश और विकास परियोजनाओं के लिए आवश्यक कोष उपलब्ध कराने में सहायक होगा। बंदरगाह प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समुद्री क्षेत्र विकास दृष्टिकोण के अनुरूप है। आउटर हार्बर परियोजना से बंदरगाह को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रतिस्पर्धी बनाने और दक्षिण भारत में माल परिवहन एवं ट्रांसशिपमेंट के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद है।

कोल इंडिया की इकाई छत्तीसगढ़ की महिलाओं को बना रही है आत्मनिर्भर

बिश्रामपुर। सूरजपुर जिले की 30 वर्षीय पूजा साहू अब अपने पति के नाम से नहीं जानी जातीं। उन्हें लोग बोटिंग वाली दीदी कहते हैं। यह नई पहचान उन्हें मजबूती और आर्थिक आजादी का एहसास कराती है। साहू कहती हैं, मुझे गर्व होता है कि अब मेरी अपनी पहचान है। लोग मुझे बोटिंग वाली दीदी कहते हैं और यह आजादी जैसा लगता है। साहू छत्तीसगढ़ के केनापारा इको-टूरिज्म पार्क में बोट चलाकर अपनी रोजी-रोटी कमाती हैं। यह पार्क साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा खनन क्षेत्र को एडवेंचर हब में बदलकर विकसित किया गया है। पार्क में 1,472 हेक्टेयर क्षेत्र में बोटिंग, तैरता हुआ रेस्तरां और मछली पालन की सुविधाएं हैं। साहू शिव शक्ति महिला ग्राम संगठन की 12 महिलाओं में से एक हैं। वे रोजाना लगभग 200 रुपये कमाती हैं और अपनी पसंद का खाना व कपड़े खरीद सकती हैं। उनका संदेश है कि अपना घर छोड़ो और वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनो।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में किया 22,615 करोड़ का निवेश

मुंबई । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी 2026 में भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये निवेश किए, जो 17 महीने का उच्चतम मासिक प्रवाह है। इससे पहले एफपीआई लगातार तीन माह बिकवाल रहे थे- नवंबर 2025 में 3,765 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और जनवरी 2026 में 35,962 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। 2025 में कुल शुद्ध निकासी 1.66 लाख करोड़ रुपये (18.9 अरब डालर) रही, जो इतिहास के सबसे खराब वर्षों में से एक थी। विशेषज्ञों का कहना है कि फरवरी में निवेश बढ़ने के पीछे तीन मुख्य कारण हैं- भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार करार से भरोसा बढ़ना, घरेलू शेयर बाजार का मूल्यांकन कम होना जिससे निवेशकों को सस्ती खरीदारी का अवसर मिला और तीसरी तिमाही में कंपनियों की कमाई 14.7 फीसदी बढ़ी जिससे एफपीआई का भरोसा मजबूत हुआ। एफपीआई ने फरवरी में वित्तीय सेवा और पूंजीगत सामान क्षेत्र में आक्रामक खरीदारी की, जबकि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र से 10,956 करोड़ रुपये की निकासी हुई।

सोयाबीन और मूंगफली तेल के दाम सुधरे, पाम तेल में गिरावट जारी

नई दिल्ली

सरसों की नई फसल की आवक बढ़ने से भाव दबाव में है। कुछ विशेषज्ञों का अनुमान है कि उत्पादन इस साल बढ़ेगा। सरकार से आग्रह किया गया है कि सोयाबीन की तरह एमएसपी अंतर का भुगतान किसानों को किया जाए। इससे सरसों का भाव टूटने और कारोबारियों की मनमानी रोकने में मदद मिलेगी। सरकार को 20-25 लाख टन स्टाक बनाने पर विचार करना चाहिए। सोयाबीन तेल-तिलहन और मूंगफली तेल-तिलहन में कम आवक और अच्छी मांग के कारण दाम में सुधार हुआ। बिनौला तेल के दाम भी सप्ताहांत में सुधरे। वहीं मलेशिया एक्सचेंज में गिरावट और पाम-पाल्मोलिन तेल की कम कीमत बनी रही। सरकार ने आयात शुल्क बढ़ाकर कच्चा पामतेल 26 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन 124 रुपये प्रति क्विंटल और सोयाबीन डीगम 15 रुपये प्रति क्विंटल। यह घरेलू तेल बाजार को स्थिर करने का प्रयास है। ईरान पर हमले की खबर के बाद आपूर्ति चिंताओं के कारण भी सोयाबीन तेल-तिलहन में तेजी को मदद मिली। उन्होंने कहा कि उपलब्धता में कमी तथा अच्छी गुणवत्ता के मूंगफली दाने और खाद्य तेल की मांग होने के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार देखा गया।

सरकार से सोयाबीन की तरह एमएसपी अंतर का भुगतान किसानों को करने की मांग

सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह मलेशिया एक्सचेंज में अधिकतम गिरावट का रुख रहने के बीच पाम-पामोलीन तेल के दाम में गिरावट देखी गई। वैसे ईरान पर हुए हमले के बाद आपूर्ति की स्थिति तथा इस तेल के दाम के बारे में अंदाजा सोमवार के कामकाज से मिल सकता है। उन्होंने कहा कि कम आवक और मांग होने के कारण बीते सप्ताह बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया। मंडियों में कपास नरमा का दाम एमएसपी से 10-12 प्रतिशत नीचे है इस वजह से इसकी आवक प्रभावित है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये की गिरावट के साथ 6,475-6,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 350 रुपये की गिरावट के साथ 13,450 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 40-40 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 2,285-2,385 रुपये और 2,285-2,430 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश: 75-75 रुपये की तेजी के साथ क्रमश: 5,350-5,400 रुपये और 4,950-5,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 14,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 11,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन 50 रुपये के सुधार के साथ 7,000-7,475 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 17,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 15 रुपये के सुधार के साथ 2,690-2,990 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 11,775 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बनेगा एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस सेंटर

ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश सरकार जेवर में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहालिंग (एमआरओ)सुविधा विकसित करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के दौरान सिंगापुर की एसआईए इंजीनियरिंग कंपनी ने इस सुविधा में निवेश की इच्छा जताई। योजना के तहत 1365 हेक्टेयर भूमि पर एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस के साथ-साथ एविएशन उद्योग की स्थापना होगी, जिससे बोइंग और एयरबस जैसे विमान और उनके पुर्जों का निर्माण भी संभव हो सकेगा।

एमआरओ सुविधा के लिए सिंगापुर की कंपनी ने दिखाया निवेश रुचि

सिंगापुर और जापान दौरे के दौरान यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वायईआईडीए) ने कई एमओयू किए। जापान में भी जापानी कंपनियों ने वायईआईडीए क्षेत्र में निवेश में रुचि दिखाई। क्यबोटा, होंडा, मिंडा स्पार्क, डेंसो, डेबू, सुजुकी मोटर्स जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए क्षेत्र का दौरा करेंगे। वायईआईडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस और एविएशन उद्योग स्थापना से क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और निवेश भी आकर्षित होगा। एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए जल्द ही कार्रवाई शुरू की जाएगी। यह पहल उत्तर प्रदेश में एविएशन और लाजिस्टिक सेक्टर को मजबूत करेगी और जेवर को एक प्रमुख औद्योगिक और एविएशन हब बनाने में मदद करेगी।

हुंदै की फरवरी में कुल बिक्री 12.6 प्रतिशत बढ़कर 66,134 इकाई पर

नई दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया की कुल वाहन बिक्री फरवरी, 2026 में सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढ़कर 66,134 इकाई रही है। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। फरवरी में कंपनी की घरेलू बिक्री 9.8 प्रतिशत बढ़कर 52,407 इकाई रही, जबकि निर्यात 24.8 प्रतिशत बढ़कर 13,727 इकाई पर पहुंच गया। हुंदै मोटर ने कहा कि यह फरवरी माह में उसकी कुल और घरेलू बाजार में बिक्री का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। एचएमआईएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने 2026 की शुरुआत शानदार तरीके से की। जनवरी में अपनी अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री हासिल की, और यह रफ्तार फरवरी में भी जारी रही। हमारी कंपनी के 30 साल पूरे होने वाले हैं। हमारा मकसद साफ है।

होरमुज़ जलडमरूमध्य में तनाव चरम पर, वैश्विक तेल आपूर्ति पर खतरा

हवाई हमलों के बाद बढ़ा तनाव, जनता की जेब पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हवाई हमलों और इसके जवाब में ईरान की प्रतिक्रिया ने होरमुज जलडमरूमध्य में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। यह मार्ग खाड़ी देशों और भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों के लिए बेहद संवेदनशील है। आंशिक नाकाबंदी ने वैश्विक तेल बाजार में हलचल मचा दी है, और कई टैंकरों ने रास्ता बदल दिया या लंगर डाल दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार बड़ी तेल कंपनियों और ट्रेडिंग हाउसेज ने सुरक्षा कारणों होरमुज़ मार्ग से कच्चा तेल, ईंधन और रसद की ढुलाई रोक दी है।

शिपिंग डेटा के मुताबिक, कम से कम 11 बड़े एनएनजी टैंकरों ने अपनी गति धीमी कर दी या वापस मुड़ गए। ओमान के तट के पास तेल टैंकरों की कतारें लग गई हैं, जिससे सप्लाई चेन बाधित हो रही है। भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता देश जैसे इराक, सऊदी अरब, यूएई और कुवैत इस मार्ग पर निर्भर हैं। अगर बाधा लंबी खिंचती है, तो भारत की रिफाइनरियों में कच्चे तेल का स्टाक कम हो जाएगा। इससे आयात लागत बढ़ सकती है और लंबे समय में आम जनता की जेब और व्यापार घाटा प्रभावित हो सकता है। अमेरिकी नौसेना ने अरब खाड़ी, ओमान की खाड़ी और उत्तरी अरब सागर को सैन्य अभियान क्षेत्र घोषित किया है। ग्रीस और ब्रिटेन ने अपने जहाजों को होरमुज़ से दूर रहने की चेतावनी दी। इस स्थिति ने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा कर दिया है। जहाजों के पास केवल केप आफ गुड होप का लंबा मार्ग बचता है, जिससे 10-15 दिन की देरी, अधिक ईंधन खर्च और बढ़े हुए बीमा प्रीमियम का सामना करना पड़ता है। चार्टर और लाजिस्टिक लागत बढ़ने से मालभाड़ा दरें भी बढ़ रही हैं। कार्गो मालिक फोर्स मेज्योर का सहारा लेकर समय पर डिलीवरी की जिम्मेदारी से बच रहे हैं। जीपीएस जामिंग और हवाई क्षेत्र बंद होने से चालक दल बदलाव और लाजिस्टिक प्रबंधन भी कठिन हो गया है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में नौ का मार्केट कैप 2.18 लाख करोड़ घटा

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई

पिछले सपताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,18,902.09 करोड़ की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में भारती एयरटेल रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,527.52 अंक या 1.84 प्रतिशत नीचे आया। शीर्ष 10 कंपनियों में सिर्फ हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 55,852.12 करोड़ रुपये घटकर 10,71,853.25 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक के मूल्यांकन में 37,580.1 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह

13,65,659.38 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 34,846.12 करोड़ रुपये घटकर 18,86,832.66 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 20,316.41 करोड़ रुपये घटकर 6,20,070.59 करोड़ रुपये पर आ गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 18,180.89 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 9,53,872.59 करोड़ रुपये रहा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत 14,990.24 करोड़ घटकर 5,37,213.68 करोड़ रह गई। लार्सन एंड टुब्रो का बाजार पूंजीकरण 13,714.85 करोड़ घटकर 5,88,837.39 करोड़ रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 13,061.33 करोड़ घटकर 11,09,520.23 करोड़ रुपये पर आ गई।

अगले हफ्ते दो कंपनियों के निवेशकों की लगेगी लाटरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में अगले हफ्ते निवेशकों के लिए खुशखबरी है। 6 मार्च को दो प्रमुख कंपनियां अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर जारी करेंगी। ये कंपनियां हैं एनकेपी फाइनेंस और सिल्वर टच टेक। बोनस शेयर आम तौर पर निवेशकों को रिवार्ड देने और शेयर की लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए जारी किए जाते हैं। दोनों कंपनियों ने अपनी रिकार्ड और एक्स-डेट 6 मार्च तय कर दी है। फाइनेंस सेक्टर की कंपनी एलकेपी फाइनेंस ने 4:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि अगर निवेशक के पास 1 शेयर है, तो उसे 4 अतिरिक्त शेयर मुफ्त मिलेंगे। इस तरह कुल शेयरों की संख्या पांच हो जाएगी। यह कदम निवेशकों के लिए लंबे समय में लाभदायक साबित हो सकता है क्योंकि शेयरों की संख्या बढ़ने से भविष्य में मिलने वाले डिविडेंड का पैसा भी बढ़ता है। आईटी सेक्टर की सिल्वर टच ने भी 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। यानी अगर किसी निवेशक के पास 1 शेयर है, तो उसे 1 और मुफ्त में मिलेगा। इसके लिए भी रिकार्ड और एक्स-डेट 6 मार्च निर्धारित किया गया है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि बोनस शेयर से शेयर की कीमत में समायोजन होता है, लेकिन लंबी अवधि में यह निवेशकों के लिए फायदे का सौदा है।

टी-20 विश्व कप से बाहर होने के बाद सनथ जयसूर्या ने श्रीलंका के मुख्य कोच पद से हटने का किया ऐलान

कैंडी

सनथ जयसूर्या ने टी-20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 चरण से बाहर होने के बाद श्रीलंका क्रिकेट टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। श्रीलंका को शनिवार रात पाकिस्तान के खिलाफ पांच रन से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद जयसूर्या ने अपने फैसले की जानकारी दी। जयसूर्या ने मैच के बाद कहा, मैंने सोचा कि यह जिम्मेदारी किसी और को दे देनी चाहिए। दो महीने पहले इंग्लैंड सीरीज के दौरान ही मैंने संकेत दे दिया था कि मैं आगे इस पद पर बने रहने की योजना नहीं बना रहा हूं। मेरा इरादा था कि विश्व कप के बाद अच्छे नोट पर विदाई लूं, लेकिन वैसा नहीं हो सका। इसका मुझे अफसोस है। हालांकि, उनका अनुबंध जून 2026 तक है, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह 13 से 25 मार्च तक खेले जाने वाली अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज में टीम की कमान संभालेंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि इस बारे में अभी श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड से औपचारिक चर्चा नहीं हुई है, लेकिन वह जल्द ही बातचीत करेंगे।

जुलाई, 2024 से टीम की कमान संभाल रहे जयसूर्या का कार्यकाल उतार-चढ़ाव भरा रहा। उनके नेतृत्व में श्रीलंका ने घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ ऐतिहासिक एकदिवसीय श्रृंखला जीती और इंग्लैंड में टेस्ट मैच भी अपने नाम किया। उन्होंने दावा किया कि उनके कार्यकाल में टीम को एकदिवसीय रैंकिंग में चौथे स्थान तक पहुंचाया गया, टेस्ट टीम को छठे और टी-20 टीम को भी छठे स्थान तक ले जाया गया। इस दौरान टीम की कुल जीत प्रतिशत करीब 50 प्रतिशत रही। हालांकि, टी-20 विश्व कप में निराशाजनक अंत को लेकर जयसूर्या ने माना कि टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। श्रीलंका ने ग्रुप चरण में आस्ट्रेलिया को हराकर शानदार शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद लगातार चार मैच गंवाए, जिनमें सुपर 8 के तीन मुकाबले शामिल थे। जयसूर्या ने आगे कहा कि टीम को लगातार बेहतर प्रदर्शन की जरूरत है और बल्लेबाजी व गेंदबाजी दोनों विभागों में दबाव में अच्छा खेल दिखाना होगा।

न्यूज ब्रीफ

दुबई एयरपोर्ट के पास धमाका, पीवी सिंधु को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को दुबई एयरपोर्ट के पास हुए धमाके के बाद सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। वह अपनी टीम के साथ एयरपोर्ट पर फंसी हुई थीं, जहां अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण उड़ान संचालन अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया था। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु प्रतिष्ठित आल इंग्लैंड ओपन खेलने के लिए रवाना हुई थीं, लेकिन हालात बिगड़ने के कारण उन्हें दुबई में रुकना पड़ा। एयरस्पेस बंद होने से कई उड़ानें प्रभावित हुई और यात्री एयरपोर्ट पर ही इंतजार करने को मजबूर हो गए। सिंधु ने सोशल मीडिया पर बताया, स्थिति हर घंटे और भयावह होती जा रही है। कुछ घंटे पहले एयरपोर्ट पर जहां हम ठहरे हुए थे, उसके पास जोरदार धमाका हुआ। मेरे कोच को धुएं और मलबे के सबसे करीब होने के कारण तुरंत वहां से भागना पड़ा। वह हम सभी के लिए बेहद तनावपूर्ण और डरावना पल था। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल सभी सुरक्षित हैं और दुबई एयरपोर्ट स्टाफ व स्थानीय प्रशासन की मदद से उन्हें अधिक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। सिंधु ने दुबई में स्थित भारतीय उच्चायोग का भी विशेष रूप से आभार जताया, जिसने लगातार संपर्क में रहकर सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि अब वे हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के चलते खाड़ी देशों के एयरस्पेस को बंद कर दिया गया है। इससे एमिरेट्स और एयर इंडिया सहित कई एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित हुई हैं। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं।इजरायल के साथ-साथ बहरीन, कुवैत और कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाए जाने से पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कप्तानी से सलमान आगा को हटाया जाना तय

लाहौर। पाकिस्तान की टीम के टी20 विश्वकप क्रिकेट से बाहर होने के बाद से ही कई खिलाड़ियो पर गाज गिरनी तय है। पाक टीम अपने अंतिम सुपर-8 मैच में श्रीलंका पर जीत के बाद भी सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में माना जा रहा है कि कप्तान सलमान आगा को कप्तानी से हटाया जाना तय है। इसके अलावा बाबर आजम सहित अई सीनियर खिलाड़ीयों को भी टीम से बाहर किया जा सकता है। पाक टीम का प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में अच्छा नहीं रहा। उसे भारत सहित कई अन्य टीमों के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से ही आगा और टीम आलोचकों के निशाने पर है। ऐसे में सवाल कप्तान आगा पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब उन्हें कप्तानी से हटाया जाना तय लग रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों को भी बाहर किया जा सकता है। माना जा रहा है कि बोर्ड अध्यक्ष मोहसिन नकवी टीम के प्रदर्शन से नाराज हैं। इससे पहले नकवी को चयनकर्ताओं, टीम प्रबंधन और बोर्ड के करीबी अधिकारियों ने बताया था कि टीम की तैयारी अच्छी है। टीम पूरी तरह तैयार है और अच्छा प्रदर्शन करेगी। वहीं अब आये परिणामों से नकवी भड़के हुए हैं। ऐसे में कप्तान आगा के अलावा मुख्य कोच माइक हेसन चयनकर्ताओं के साथ कुछ सीनियर खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर भी बात कर सकते हैं।

पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान कादिर ने संन्यास से वापसी की घोषणा की

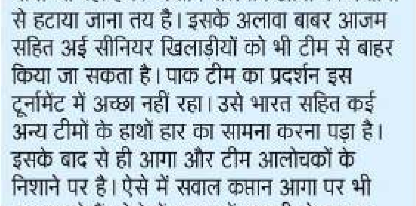

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टी20 विश्वकप 2026 से बाहर होते ही टीम के स्पिनर उस्मान कादिर ने टीम को सेवाएं देने के लिए संन्यास छोड़कर मैदान में वापसी की घोषणा की है। कादिर ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं अब उन्होंने कहा है कि वह चयन के लिए उपलब्ध हैं। । कादिर ने संन्यास से वापसी की घोषणा सोशल मीडिया पर भी साझा की है। इस स्पिनर ने सोशम मीडिया में लिखा, आस्ट्रेलिया में लीग क्रिकेट में ससफल समय के बाद, मैंने खेल में वापसी का फैसला किया है। आस्ट्रेलिया में खेलने का मेरा समय बहुत बदलाव लाने वाला था। 41 विकेट लेने के बाद मुझे लगा कि अभी भी मैं विश्वस्तर पर योगदान दे सकता हूं। क्रिकेट मेरे लिए सिर्फ एक खेल नहीं है; यह एक पारिवारिक विरासत है। अपने परिवार से इस बारे में बात करने और पाकिस्तान क्रिकेट में मेरे पिता के बहुत बड़े योगदान को देखते हुए।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम घोषित, लवलीना व निकहत संभालेंगी कमान

नई दिल्ली

भारत की दो शीर्ष महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन मंगोलिया में 28 मार्च से 11 अप्रैल तक होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) ने एक महीने की विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला स्थित राष्ट्रीय शिविर में बुलाया गया था, जहां चयन नीति के तहत उनके प्रदर्शन का आकलन किया गया। इस चैंपियनशिप के परिणामों के आधार पर राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए प्राथमिकता तय की जाएगी, इसलिए इस टूर्नामेंट का महत्व काफी बढ़ गया है।

महिलाओं में मुख्य ज़िम्मेदारी लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) निभाएंगी, जिन्होंने हाल ही में स्पेन में बाक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनके साथ स्वर्ण विजेता प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और प्रिया (60 किग्रा) को टीम में जगह मिली है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम का हिस्सा होंगी।

महिला टीम में अन्य महत्वपूर्ण मुक्केबाजों में शामिल हैं अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और हेवीवेट वर्ग में अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक)।

पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे सचिन (60 किग्रा), जिन्होंने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बाक्सम चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था। उनके साथ स्पेन में स्वर्ण जीतने वाले आकाश (75 किग्रा) को भी टीम में शामिल किया गया है। रजत विजेता दीपक (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और कांस्य विजेता जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (55 किग्रा) भी टीम का हिस्सा हैं। अन्य चयनित मुक्केबाजों में विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा), आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा), और नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक) शामिल हैं। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि एशियाई चैंपियनशिप में दबाव और कौशल की कड़ी परीक्षा होती है, और टीम ऐसे मुक्केबाजों से चुनी गई है जिन्होंने बेहतर फार्म, अनुशासन और बड़े मंच पर प्रदर्शन की क्षमता दिखाई है। महिला टीम का मूल्यांकन मुख्य कोच सैंटियागो नीवा और पुरुष टीम का आकलन सीए कटप्पा की निगरानी में किया गया। हाल ही में भारत ने स्पेन में आयोजित बाक्सम एलीट चैंपियनशिप में नौ स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया था।

आकिब नबी बने टीम इंडिया की नई उम्मीद, रणजी सीजन में रचा बड़ा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट को जल्द ही एक धाकड़ तेज गेंदबाज मिलने जा रहा है। 29 वर्षीय पेसर आकिब नबी रेड बाल क्रिकेट में लगातार कमाल करते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट की दहलीज पर दस्तक दे रहे हैं। मौजूदा रणजी ट्राफी सीजन में उनकी घातक गेंदबाजी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया है। जम्मू-कश्मीर के इस तेज गेंदबाज ने पूरे सीजन बल्लेबाजो को जमकर परेशान किया और फाइनल मुकाबले में भी अपना दम साबित किया। कर्नाटक के खिलाफ केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे खिताबी मुकाबले की पहली पारी में नबी ने शानदार 5 विकेट चटकाए। उनकी दमदार गेंदबाजी की बदौलत कर्नाटक की पारी 293 रन पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर ने 291 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर इतिहास रचने की ओर कदम बढ़ा दिए। रणजी फाइनल के चौथे दिन पहले सेशन में दो विकेट लेकर नबी ने अपना 5 विकेट हाल पूरा किया। तीसरे दिन उन्होंने तीन विकेट लिए थे। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का 16वां और मौजूदा रणजी सीजन का सातवां 5 विकेट हाल है। नबी ने कुल 23 ओवर फेंके, जिसमें 7 मेडन ओवर शामिल रहे। उन्होंने केवल 54 रन देकर 5 खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा और 2.30 की किफायती इकानमी बनाए रखी। उन्होंने केएल राहुल, मयंक अग्रवाल और करुण नायर जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को शिकार बनाया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ आकिब नबी रणजी ट्राफी 2025-26 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने उत्तराखंड के मयंक मिश्रा को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम 59 विकेट थे। नबी अपने 10वें मैच तक 60 विकेट ले चुके हैं। इससे पहले वे 9 मैचों में 55 विकेट ले चुके थे। पूरे सीजन में उन्होंने दो बार 4 विकेट और 7 बार 5 विकेट हाल दर्ज किया है।

हीली ने विदायी मैच में लगाया शतक, भारतीय टीम ने गार्ड आफ आनर दिया

होबार्ट

आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने अपने करियर के अंतिम मैच में शतकीय पारी खेलकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के इस मैच में हीली ने 79 गेंदों पर शतक लगाया। वहीं वहीं 98 गेंदों पर 158 रन का बनाकर वह पेवेलियन लौटी।अपनी पारी में हिली ने 27 चौके और दो छक्के लगाये। हीली के विदायी मैच में शतक को देखकर उनके पति मिचेल स्टार्क भी बेहद खुश नजर आये। हीली के शतक पूरा करते ही स्टार्क उत्साहित नजर आये।

भारतीय टीम ने इस तीसरे मैच में टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारतीय टीम जब मैदान पर उतरी तो उन्होंने दो लाइन में खड़े होकर हीली को गार्ड आफ आनर दिया। भारतीय टीम के इस रवैये की प्रशंसा हो रही है।

हीली ने जनवरी में ही सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। एकदिवसीय के बाद हीली 6 मार्च को भारत और आस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दिन-रात के एकमात्र टेस्ट के दौरान अंतिम बार मैदान पर उतरेंगी। गौरतल है कि हीली ने फरवरी 2010 में 19 साल की उम्र में आस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था और एकदिवसीय ड्ड में 3500 से ज्यादा रन बनाए हैं। टी20ड्ड में उनके नाम 25.45 की औसत से 3054 रन दर्ज है, इस दौरान उनका सबसे अधिक स्कोर 148 नाबाद है, जो सदस्य टीमों में सबसे ज्यादा निजी स्कोर है। उन्होंने साल 2010, 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में महिला टीम 20 विश्व कप और 2013 और 2022 में एकदिवसीय विश्वकप जीता था। हीली 2018 और 2019 में क्रिकेटर आफ़ द ईयर भी थीं।

दुबई में डयूटी फ्री टेनिस टूर्नामेंट

दुबई में डयूटी फ्री टेनिस टूर्नामेंट में रमेश सीदांबी मैनेजिंग डायरेक्टर के अलावा रुसी टेनिस स्टार दानिल मेदमेदेव , सलाह तहेक डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर स्टेज पर एकसाथ नजर आये।

एफआईएच हाकी महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम घोषित, सलीमा टेटे होंगी कप्तान

हैदराबाद

हाकी इंडिया ने हैदराबाद (तेलंगाना) में होने वाले एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 क्वालीफायर के लिए 20 सदस्यीय भारतीय सीनियर महिला हाकी टीम (भारत) की घोषणा कर दी है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 8 से 14 मार्च तक आयोजित की जाएगी। भारत 8 मार्च को उरुग्वे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, इसके बाद 9 मार्च को स्काटलैंड और 11 मार्च को वेल्स से मुकाबला करेगा।

इस क्वालीफायर में मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, स्काटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और आस्ट्रिया की टीमें भाग लेंगी। यहां से तीन टीमें एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 (बेल्जियम और नीदरलैंड्स) के लिए क्वालीफाई करेंगी, जो अगस्त 2026 में खेला जाएगा। टीमों को दो पूल में बांटा गया है। पूल-ए में इंग्लैंड, कोरिया, इटली और आस्ट्रिया, जबकि पूल-बी में भारत, स्काटलैंड, उरुग्वे और वेल्स शामिल हैं।अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे टीम की कप्तानी संभालेंगी। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खरीबाम को सौंपी गई है। डिफेंस में सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी शामिल हैं। मिडफील्ड में सलीमा टेटे के साथ नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुताजा दादासो पिसाल और दीपिका सोरेंग को जगह मिली है। फारवर्ड लाइन में नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू गोल करने की जिम्मेदारी निभाएंगी। मुख्य कोच सजोर्ड मारिजन ने कहा कि टीम फिटनेस और रणनीति पर काम कर रही है और टूर्नामेंट से पहले दो अभ्यास मैच खेलेगी। 20 सदस्यीय भारतीय महिला हाकी टीम गोलकीपर : बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खरीबाम । डिफेंडर्स : सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी। मिडफील्डर : सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुताजा दादासो पिसाल और दीपिका सोरेंग। फारवर्ड : नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू ।

आईसीसी ने जनवरी के प्लेयर आफ द मंथ का किया ऐलान, डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी को मिला सम्मान

दुबई

आईसीसी ने जनवरी महीने के लिए पुरुष और महिला वर्ग में प्लेयर आफ द मंथ का ऐलान कर दिया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के स्टार आलराउंडर डैरिल मिचेल का चयन किया गया, जबकि महिला वर्ग में बांग्लादेश की उभरती बल्लेबाज शोभना मोस्तारी को यह पुरस्कार मिला। दोनों खिलाड़ियों को महीने भर के शानदार और प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए आईसीसी ने सम्मानित किया।

डैरिल मिचेल ने भारत दौरे पर न्यूजीलैंड को वनडे सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। तीन मैचों की सीरीज में 0-1 से पीछे होने के बाद मिचेल ने लगातार दो शतकों की बदौलत मैच का रुख बदल दिया। दूसरे वनडे में उनके 131 (नाबाद) रन और तीसरे वनडे में 137 रन की पारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने निर्णायक मुकाबले में 337/8 का बड़ा स्कोर खड़ा किया और सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मिचेल ने पूरी सीरीज में कुल 352 रन बनाए और प्लेयर आफ द सीरीज भी रहे। उनके शानदार फार्म का असर रैंकिंग पर भी दिखा और उन्होंने आईसीसी वनडे बल्लेबाजी सूची में फिर से नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया। टी20 सीरीज में भी मिचेल ने 5 मैचों में 186.56 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए। इस पुरस्कार की दौड़ में उन्होंने भारत के सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ दिया। महिला वर्ग में शोभना मोस्तारी ने आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले छह मैचों में 229 रन बनाए, जिसमें 45.80 का औसत और 145.85 की स्ट्राइक रेट शामिल रही। उनकी निरंतरता और आक्रामक अंदाज पूरे टूर्नामेंट में बांग्लादेश के लिए बड़ी ताकत साबित हुए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस और तारा नारिस जैसे खिलाड़ियों से आगे कर दिया। मोस्तारी की बल्लेबाजी की बदौलत बांग्लादेश टीम टूर्नामेंट में अजेय रही और सीधे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर गई। आईसीसी के इस ऐलान ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों को वैश्विक स्तर पर मान्यता दी है। डैरिल मिचेल और शोभना मोस्तारी का यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

टैनिंग के धब्बों से निजात

सूर्य की रोशनी में अधिक वक्त बिताने से आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है। गर्मियों के मौसम में सूर्य अपनी पूरी तपिश पर होता है और ऐसे में अधिक समय बिना किसी सन प्रोटेक्शन के बाहर रहना आपकी त्वचा के लिए घातक हो सकता है। और ऐसा नहीं है कि सर्दियों में सूरज की रोशनी में रहना आपको कम नुकसान पहुंचाता है। सूरज की अल्ट्रा वायलेट किरणें दोनों ही मौसम में त्वचा की रंगत के लिए नुकसानदेह हो सकती है।

टैनिंग दूर करने के उपाय: सूर्य की किरणों के अधिक संपर्क में आने से टेनिंग होना सामान्य सी बात है। लेकिन, कुछ आसान से उपाय हैं, जिन्हें अपनाकर आप टैनिंग की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। हालांकि, इस दौरान आपको इस बात का पूरी तरह से ध्यान रखने की जरूरत है कि टैनिंग एक रात में दूर होने वाली समस्या नहीं है। टैनिंग को दूर करने के लिए कम से भी कम सात से दस दिन का समय लगता है। टैनिंग को दूर करने के लिए कई लोग ब्लीचिंग का सहारा लेते हैं। इससे टैनिंग तो दूर हो जाती है, लेकिन आप अपनी त्वचा को बेवजह रूखा बना लेते हैं। इससे त्वचा में जलन की समस्या भी पैदा हो सकती है। और परिणामस्वरूप कई बार आपकी त्वचा पहले से भी अधिक काली हो जाती है। ब्लीचिंग से आपकी त्वचा की कोमलता भी खत्म हो जाती है। इससे आपकी खूबसूरती पर भी असर पड़ता है।

टैन दूर करने के उपाय

केसर मलाई से आए निखार: दूध की मलाई में थोड़ा सा केसर डालकर उसे रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह इसे अपने हाथों से मिलाकर त्वचा के प्रभावित हिस्से पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा की टैनिंग कम हो जाएगी। इसके साथ ही इससे आपकी त्वचा पर एक नया निखार भी आ जाएगा। अगर आप अपनी त्वचा को स्वच्छ करना चाहते हैं, तो इस मिश्रण में कुछ बूंदें नींबू का रस मिला लें।

चंदन सा महके रूप: चंदन को खूबसूरती के लिए बेहद उपयोगी माना जाता है। चंदन त्वचा को जरूरी पोषण और खूबसूरती प्रदान करता है। इसके लिए आप एक कप कच्चे दूध लें में 1 चम्मच चंदन पाउडर मिला कर टैनिंग वाली जगह पर लगाइए। सूख जाने के बाद इसे पानी से धो लीजिए। इससे आपकी त्वचा से टैनिंग तो हटेगी ही साथ ही त्वचा को कुदरती निखार भी मिलेगा।

बादाम और मिल्क पाउडर: समान मात्रा में मिल्क पाउडर, नींबू का रस, शहद और बादाम का तेल मिलाइए। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाइए। 15 मिनट बाद अपना चेहरा धो लीजिए। बेहतर परिणाम पाने के लिए इस स्क्रब को सप्ताह में तीन बार लगाइए। बादाम का तेल त्वचा को जरूरी पोषण देगा और नींबू का रस उसे साफ करेगा। वहीं मिल्क पाउडर त्वचा की रंगत निखारने में काफी मददगार होता है।

नींबू और चीनी का असरदारी मेल: नींबू के रस में चीनी मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लीजिए। इस पेस्ट को टैनिंग से प्रभावित हिस्से पर लगाइए। 20 मिनट तक इसे सूखने दें। इसके बाद इसे ठंडे पानी से धो लीजिए। ऐसा करने से आपकी त्वचा को काफी फायदा होगा। चीनी एक बहुत अच्छा स्क्रब है और नींबू त्वचा के रोम छिद्रों में छिपी गंदगी को साफ करने में मदद करता है।

नींबू और शहद का मेल: इसके अलावा आप शहद और नींबू का मिश्रण भी प्रभावित हिस्सों पर लगा सकते हैं। यह भी टैनिंग से मुक्ति पाने का एक और कुदरती उपाय है।

सेहत ही नहीं सूरत भी संवारे ओट्स: ओट्स केवल खाने में ही नहीं बल्कि सूरत संवारने में भी काफी मददगार होते हैं। टैनिंग से मुक्ति पाने के लिए ओट्स और छाछ का मिश्रण बेहद प्रभावशाली है। इन दोनों को एक साथ मिलाइए और त्वचा पर लगाइए। फिर जब यह सूख जाए तब स्क्रब कर लीजिए। इससे त्वचा की मृत कोशिकायें हट जाएंगी और आपका रूप निखरकर सामने आएगा।

आलू का जवाब नहीं: टैनिंग से मुक्ति पाने के लिए आलू का इस्तेमाल काफी समय से किया जा रहा है। थोड़े से आलू का पेस्ट बना लें। आपकी त्वचा का जो हिस्सा टैनिंग से प्रभावित है, उस पर इस मिश्रण को लगा दें। थोड़ी देर बाद अपनी त्वचा साफ कर लें। इससे त्वचा का रूप बिल्कुल निखर जाता है।

मेकअप: महिलाएं अपनी टैनिंग को छिपाने के लिए हल्के मेकअप का इस्तेमाल कर सकती हैं। लेकिन, याद रखें कि यह केवल अस्थायी समाधान है। इसे केवल तभी इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जब आप बहुत जल्दी में हो और आपके पास कोई दूसरा विकल्प न बचा हो।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल: धूप में निकलने से कम से कम 15-20 मिनट पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। सनस्क्रीन आपकी त्वचा को किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाने का काम करती है। सही सनस्क्रीन आपकी त्वचा को बाहरी और भीतरी दोनों प्रकार के नुकसान से बचाती है।

पानी पिएं: अपनी त्वचा को जरूरी पोषण और नमी मुहैया कराने के लिए आपको चाहिए कि रोजाना पर्याप्त मात्रा मे पानी पिएं। आपको कम से भी कम तीन से चार लीटर पानी रोज पीना चाहिए। विटामिन सी युक्त फलों का सेवन भी आपकी त्वचा के लिए लाभप्रद होगा। टैनिंग त्वचा की एक सामान्य समस्या है। इसे दूर करने के लिए आपको महंगे उत्पादों पर पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं, ऊपर दिए गए कुछ उपाय ही आपकी त्वचा को एक बार फिर वही पहले वाला निखार दे सकते है।

मेकअप से होने वाली परेशानियां और उनके निजात

आकर्षक दिखना हर महिला की चाहत होती है। इसके लिए वह बहुत मेहनत भी करती है। और अपने रूप सौंदर्य को निखारने के लिए महिलाएं सबसे ज्यादा भरोसा मेकअप पर करती हैं। लेकिन, अकसर मेकअप के दौरान कुछ गलतियां या चूक हो जाती हैं। इनसे रूप निखरने के बजाय बिगड़ भी सकता है। कभी फाउंडेशन ज्यादा हो जाता है, तो कभी मस्कारा आईब्रो पर लग जाता है। लिपस्टिक होंठों की लाली बढ़ाते-बढ़ाते कभी दांतों को रंग देती है, पता ही नहीं चलता। और साचिए कि ऐसे लुक के साथ अगर आप किसी पार्टी में जाएं तो बेशक आप दूसरों से अलग तो नजर आएंगी, लेकिन? अंदाज जरा दूसरा होगा।

हम आपको मेकअप से जुड़ी गलतियों और उनके समाधान के बारे में बताते हैं। ये टिप्स अपनाकर और थोड़ी सी सावधानी बरतकर आप अगली बार मेकअप करते समय इन गलतियों से बच सकती हैं।

लिपस्टिक का फैलना

लगाते समय लिपस्टिक फैलना और देर तक नहीं टिकना। यह सबसे बड़ी गलती जो अक्सर महिलाओं से हो जाती है। लिपस्टिक लगाते समय या तो होठों के बाहर फैल जाती है या फिर दांतों पर लग जाती है। लिपस्टिक के फैलने पर लिप ब्रश या कॉटन पर थोड़ा सा मॉस्चराइजर लगा कर इसे पोछें। और दांतों पर लगने पर टूथ-पिक पर थोड़ी सी कॉटन लगाकर इसे पोछ दें। लिपस्टिक दांतों पर न लगे, इसके लिपस्टिक लगाने के बाद, अतिरिक्त लिपस्टिक साफ करने के लिए टिश्यू पेपर पर लूज पाउडर लगा कर होंठो के बीच में कुछ देर रखें। और साथ ही होंठो पर आउट लाइन बना लें। इससे लिपस्टिक फैलती भी नहीं और देर तक टिकती है।

ज्यादा ब्लश का प्रयोग

ब्लशर के ज्यादा होने से सौंदर्य का बढ़ने की बजाय कम होना। अगर ब्लशर करने के बाद आपको महसूस हो कि यह ज्यादा दिख रहा है तो एक साफ ब्लश-ब्रश से एक्स्ट्रा ब्लश साफ कर दें। टिश्यू पेपर से स्क्रब न करें, इससे त्वचा को नुकसान हो सकता है। ब्लश इस्तेमाल करना हो तो फाउंडेशन जरूर लगाना चाहिए। ब्लशर लगाते हुए यह पता होना चाहिए कि इसकी सही मात्रा क्या है और फिर इसे मेकअप बेस के साथ ब्लेंड करने के लिए क्लॉकवाइज और एंटीक्लॉकवाइज लगाये। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि कॉम्पेक्ट के साथ मिलने वाले ब्रश छोटे होते हैं। हमेशा फुल साइज ब्लश ब्रश का इस्तेमाल करें।

मस्कारे का ब्रो बोन पर लगना

मस्कारा लगाते समय ब्रो बोन पर लग जाना। आंखों को पूरा मेकअप करने के बाद ठीक उसी समय आपको ब्रो बोन पर ब्रश के धब्बे नजर आने लगते हैं। इस समस्या से बचने यदि मस्कारा वाटरप्रुफ है तो कॉटन बड को मेकअप रिमूवर में डिप करके इसे धीरे-धीरे साफ करें और सूखने के बाद थोड़ा सा कॉम्पेक्ट लगा लें। अगर मस्कारा वाटर रेजिस्टेंट है तो इसे पानी से साफ करने की कोशिश करें।

जरूरत पड़ने पर मेकअप को ठीक किया जा सके, इसके लिए अपनी मेकअप किट में टिश्यू पेपर्स, इयर बड्स, कॉम्पेक्ट और पर्स मिरर जरूर रखें। साथ ही ऊपर दीं टिप्स को अपनाकर आप इन मुश्किलों से बच सकती हैं।

अंडर आई डार्क सर्कल के लिए कंसीलर

काले घेरों को छिपाने के लिए कंसीलर लगाना स्वाभाविक नहीं लगता। आई क्रीम या आंखों का सीरम आवश्यक है लेकिन कंसीलर लगाने से पहले इसका त्वचा में अब्जॉर्ब होने देना चाहिए। अगर आंखों की क्रीम अब भी नही है तो कंसीलर जल्दी क्रीज होकर अन-नैचुरल लगने लगता है। हमेशा आंखों के नीचे कंसीलर को रगड़ना नहीं थपथपाना चाहिए। रंगडने से चारों और फैल जाता है।

आइलाइनर का टेढ़ा-मेढ़ा लगना

आंखों की सुंदरता को कम कर देता है टेढा-मेढा आइलाइनर। लगना। कभी-कभी लाइनर लगाते हुए लैशेज के बीच के स्पेस का ध्यान नहीं रहने से आइलाइनर फैल जाता है। इस गलती को सुधारना बहुत आसान है। लाइनर को लगाने के लिए कोहनी को टेबल पर टिका कर लाइनर लगाएं जिससे हाथ हिलने की संभावना कम रहेगी। फिर भी आइलाइनर के फैल जाने पर स्मॉल ब्रश या कॉटन बड पर थोडी सा मॉयस्चराइजर लगा कर इससे पोछें।

प्याज के रस से कैसे बढ़ाएं बालों की लंबाई

प्याज घर में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ बालों के उत्पादों में से एक है। हालांकि अक्सर लोग इसकी तीखी गंध और इसे काटने पर आंखों में आने वाले आंसू के कारण इसे पसंद नहीं करते। लेकिन क्या आप जानती हैं कि प्याज बालों की विभिन्न प्रकार की समस्याएं जैसे बालों का झड़ना और दोमुंहे बालों को दूर करने में बहुत मददगार होती है। प्याज में मौजूद सल्फर बालों की जड़ों को पोषण देता है जिससे बालों के विकास में मदद मिलती है।

इसलिए बहुत से लोग बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए प्याज का रस लगाते हैं। प्याज में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण के कारण इसका रस बालों में लगाने से गिरते बालों को रोकने, रूसी और सिर के संक्रमण आदि को दूर करने में मदद मिलती है। यह घरेलू उपाय बालों को चमकदार और मजबूत बनाने के लिए अद्भुत रूप से काम करता है। अगर आप भी अपने बालों को स्वस्थ, चमकदार और लंबे बालों की चाह रखते हैं तो प्याज के रस से बने हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्याज का रस

प्याज का रस निकालकर इसे अपने सिर की त्वचा यानी स्कैल्प पर लगाकर 25-30 मिनट के लिए छोड़ दें। साथ ही अपने सिर पर तौलिए को लपेट लें ताकी बालों के रोम इसे अवशोषित कर लें। फिर शैंपू से बालों को धो लें।

प्याज के साथ बीयर

बीयर आपके बालों को प्राकृतिक रुप से चमकदार बनाती है। प्याज के रस को बीयर में मिक्स करके लगाने से बालों की ग्रोथ होने के साथ बाल कंडीशन भी होते हैं। बाल को बढ़ाने के लिए इस उपाय को एक सप्ताह में दो बार करें।

प्याज और नारियल का तेल

तेल के साथ प्याज के रस को मिक्स करने पर यह बालों के विकास को बढ़ाता है और बालों को पोषण भी देता है। प्याज के रस को तेल के साथ मिलाकर बालों में मसाज करें। फिर एक तौलिया लपेटें और भाप लें। यह उपाय स्कैल्प से मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है, जिससे बालों की ग्रोथ बढ़ जाती है।

प्याज के साथ शहद

बालों के विकास के लिए यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें शहद की मिला लें। इस पेस्ट को बालों के उस हिस्से में लगाए जहां पर बाल कम हैं।

प्याज के साथ नींबू

नींबू और प्याज के रस का प्रयोग बालों की ग्रोथ के साथ रूसी के इलाज में भी मदद करती है। नींबू का रस स्कैल्प को साफ करने के साथ बालों का झड़ना भी कम करता है।

प्याज का रस और रम

बालों के विकास के लिए प्याज के रस का प्रयोग सबसे आसान तरीका है। इसके लिए रातभर आपको रम के एक गिलास में घिसी हुई प्याज को डाल कर रखना होगा। सुबह इस मिश्रण को छान कर अपने सिर की मसाज करें। इससे आपके बालों को मजबूती मिलेगी और जल्द से जल्द बाल बढ़ने शुरु हो जाएगें।

प्याज और अंडे की सफेदी

यह बात तो शायद सभी जानते हैं कि अंडा बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। लंबे बालों की चाह रखने वाले लोगों के लिए प्याज और अंडे से बना हेयर पैक बहुत ही लाभकारी होता है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज के रस में अंडे के सफेद हिस्से को मिक्स कर लें। फिर इस पैक को 25-30 मिनट अपने गीले बालों में लगाकर शैंपू कर दें। प्याज के रस से बने हेयर पैक के इस्तेमाल से आप आसानी से बालों को लंबा, घना और चमकदार बना सकते हैं।

रेसिपी

भाटीया कड़ी

सामग्री

1 कप तुवर दाल, 1/4 कप दही, 1 टेबल-स्पून बेसन, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून मेथी दानें, 1 कप भिंडी, 50 मिमी के टुकड़ो में कटी हुई, 1/4 कप स्लाईस्ड मूली, 1 1/2 कप सहजन फल्ली, 50 मिमी के टुकड़ो में कटी हुई, 3 से 4 कोकम, 10 मिनट के लिए भिगोकर छाने हुए, 4 टेबल-स्पून कटा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप मोटे स्लाईस्ड केले, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

तुवर दाल और 5 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में मिलाकर, 2 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। हल्का ठंडा कर, दाल छान लें और पानी को एक तरफ रख दें। इस व्यंजन के लिए आपको केवल पानी की आवश्यक्ता है। दही और बेसन को एक बाउल में अच्छी तरह फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा, सरसों, हींग और मेथी दानें डालें। जब सरसों के बीज चटकने लगे, भिंडी, मूली, सहजन फल्ली और छाना हुआ दाल का पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढ़क्कन से ढ़ककर, धिमी आंच पर 8-10 मिनट के लिए या सब्जीयों के नरम होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। कोकम, गुड़, तैयार दही-बेसन का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, धिमी आंच पर 4 से 5 मिनट के लिए पका लें। केले डालकर अच्छी तरह मिला लें और धिमी आंच पर और 2 मिनट के लिए पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

माठा ची भाजी

सामग्री

6 कप कटी हुई चौलाई भाजी, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 2 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टेबल-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 कप अंकुरित मूंग, एक चुटकी शक्कर, नमक सवादअनुसार, सजाने के लिए 3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भुनें। प्याज डालकर मध्यम आंच पर और मिनट या प्याज के नरम होने तक भुनें। चौलाई भाजी, अंकुरित मूंग डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भुनें। 2 कप पानी, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलायें। ढ़ककर धिमी आंच पर 15 से 20 मिनट या अंकुरित मूंग के पकने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें, जिससे सब्जी को बर्तन के नीचे चिपकने से बचाया जा सके। धनिया से सजाकर तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)